www.cvru.ac.in

DEEN DAYAL UPADHYAY KAUSHAL KENDRA
DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY
(Approved by UGC & MHRD, GoI)

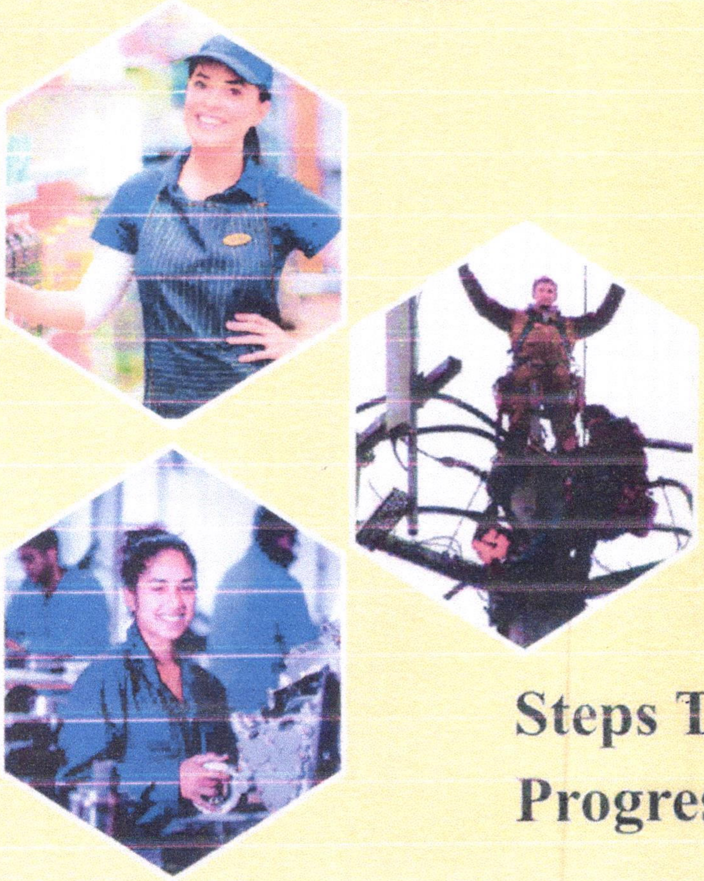

Steps Towards Progressive Success ...

Kargi Road, Kota, Distt.- Bilaspur 495 113 (C.G.)
Phone : 07753-253801

Dr. C.V. Raman University
Registrar
Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

छत्तीसगढ़ शासन
उच्च शिक्षा विभाग
मंत्रालय
महानदी भवन, नया रायपुर

क्रमांक/4045/2015/38-2 नया रायपुर, दिनांक 22.01.2016

प्रति,

1.कुलसचिव,
समस्त राजकीय विश्वविद्यालय,
छत्तीसगढ़

2.प्राचार्य,
समस्त महाविद्यालय,
छत्तीसगढ़

विषय :- पं0 दीन दयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र के माध्यम से बी0व्होक एवं एम0व्होक पाठ्यक्रम के संचालन बावत्।

संदर्भ :- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली का पत्र क्र0 3-49/2015/(KOUSHAL), दिनॉक 17 अगस्त,2015,

---

विषयांतर्गत कृपया अवगत होना चाहेंगे कि भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के द्वारा प्रचलित पाठ्यक्रमों को और अधिक रोजगारोन्मुखी बनाने के उद्धेश्य से बी0व्होक एवं एम0व्होक पाठ्यक्रम संचालित करने के निर्देश दिये गये हैं । इसी परिप्रेक्ष्य में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के संदर्भित पत्र का अवलोकन करना चाहेंगे जिसके अंतर्गत प्रदेश में संचालित डॉ0सी0वी0रमन विश्वविद्यालय, बिलासपुर को पं0 दीन दयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र की स्थापना की अनुमति दी गयी है एवं इसके अंतर्गत बी0व्होक एवं एम0व्होक पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की अनुमति भी प्रदान की गयी है (परिशिष्ट-1)।

2/ प्रदेश में बी0व्होक एवं एम0व्होक पाठ्यक्रम संचालित करने हेतु अपनी अनुशंसा देने के लिये राज्य शासन के द्वारा कुलपति, बिलासपुर विश्वविद्यालय, बिलासपुर की अध्यक्षता में एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया था। विशेषज्ञ समिति से प्राप्त अनुशंसा परिशिष्ट-2 पर संलग्न है।

3/ उक्त समिति की अनुशंसा के आधार पर एवं सीमित संसाधनों को देखते हुए एवं मितव्ययिता की दृष्टि से राज्य शासन के द्वारा निर्णय लिया गया है कि प्रथम चरण में सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं को बी0व्होक एवं एम0व्होक पाठ्यक्रम का लाभ प्राप्त हो सके, इस हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा स्वीकृत उक्त पं0 दीन दयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र को 'रिर्सोस सेंटर' के रूप में अस्थायी तौर पर आगामी 3 वर्ष के लिये घोषित किया जाता है। प्रदेश के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के जो छात्र-छात्रायें अपने नियमित पाठयकम के अतिरिक्त बी0व्होक/एम0व्होक/डिप्लोमा/ सर्टिफिकेट आदि प्राप्त करना चाहते हैं, उनका पंजीयन उक्त केन्द्र के अंतर्गत किया जा सकता है। इस प्रकार पाठ्यक्रम से छात्र-छात्राओं के कौशल विकास के साथ-साथ उनके रोजगारपरकता में भी वृद्धि होगी। उल्लेखनीय है कि उपरोक्त पं0 दीन दयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के द्वारा प्रथम चरण में 1. Telecommunications, 2. Retail Management & IT, 3. Manufacturing पाठ्यक्रमों की अनुमति प्रदान की गयी है ।

Dr. C.V. Raman University
Registrar
Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

4/ शासन की मंशा है कि उक्त पाठ्यक्रम का लाभ अधिक से अधिक छात्र–छात्राओं को मिल सके इस हेतु योजना का व्यापक प्रचार–प्रसार करने का कष्ट करें। पाठ्यक्रम संचालन के संबंध में मार्गदर्शी दिशा–निर्देश भी संलग्न प्रेषित किया जा रहा है, जो परिशिष्ट–3 पर संलग्न है।

(मान0 मंत्रीजी द्वारा अनुमोदित)

(भुवनेश यादव)
संयुक्त सचिव
छ0ग0 शासन
उच्च शिक्षा विभाग

क्रमांक 330/4015/2015/38–2 नया रायपुर, दिनांक ~~25~~ 27.01.2016

प्रतिलिपिः–

1. प्रमुख सचिव, मान. राज्यपाल महोदय, राजभवन सचिवालय, रायपुर,
2. प्रमुख सचिव, मान0 मुख्यमंत्रीजी, मुख्यमंत्री सचिवालय, मंत्रालय,नया रायपुर,
3. विशेष सहायक, मान. मंत्रीजी, उच्च शिक्षा विभाग, मंत्रालय, नया रायपुर,
4. उप सचिव, मुख्य सचिव कार्यालय, मंत्रालय, नया रायपुर,
5. मान0 कुलपतिजी, समस्त विश्वविद्यालय,
6. अध्यक्ष, छ0ग0 राज्य निजि विश्वविद्यालय विनियामक आयोग, रायपुर
7. आयुक्त, उच्च शिक्षा संचालनालय, नया रायपुर,
8. कुलसचिव, डॉ0सी0वी0रमन विश्वविद्यालय, बिलासपुर,

को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।

संयुक्त सचिव
छ0ग0 शासन
उच्च शिक्षा विभाग

Dr. C.V. Raman University
Registrar
Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

(3)

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
University Grants Commission

डॉ. के. पी. सिंह
संयुक्त सचिव
Dr. K.P. Singh
Joint Secretary

बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002
Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002
दूरभाष Phone : कार्यालय Office : 011-23239597
फैक्स Fax : 011-23236347 ई-मेल E-mail : kpsingh.ugc@nic.in

SPEED POST

D.O. No.3-49/2015(KAUSHAL) 17 Aug, 2015

Dear Sir/Madam,

Kindly refer to the proposal of your institution for starting vocational courses under the scheme of Deen Dayal Upadhyay Kaushal Kendra and subsequent interface with the Expert Committee in the office of the UGC. In this connection, this is to inform you that on the recommendation of the Expert Committee, UGC has approved establishment of DDU KAUSHAL KENDRA at your institution. You may start vocational course(s) as per the details given below:

Name of the Programs Approved	B. Voc. & M.Voc.
Sectors/Trades Approved	i. Telecommunications ii. Retail Management & IT iii. Manufacturing

Further, your institution being a self financed institution, the approval is accorded on 'No Grant' basis and no assistance will be provided by UGC under the scheme.

The approval is subject to the terms and conditions and other provisions as laid down in the guidelines of the scheme which are available on UGC website. In addition to this, the Institute should (i) ensure that all the programmes essentially have component of computer proficiency, language proficiency and management skills along with core skills as per QP and NOS (ii) enroll for Skill Development Monitoring System (SDMS) and update the requisite information from time to time (iii) fill up the non-teaching positions approved under the scheme purely on contract basis and as per the minimum requirement for the programmes (iv) fill up the teaching positions strictly as per clause 13 of the UGC Regulations on Minimum Qualifications for the Appointment of Teachers and Other Academic Staff in Universities and Colleges And Measures for the Maintenance of Standards in Higher Education, 2010. (v) curriculum of the skill component of the programme is being developed by the concerned Sector Skill Councils. The Institution will adopt or adapt the curriculum in consolation with the industry partner. However, alignment of the skill components of the curriculum with the National Occupation Standards developed by the respective Sector Skill Councils will be ensured. and (vi) monitoring/evaluation and updating of curriculum will be done periodically in consultation with the concerned Sector Skill Council and the industry partner keeping in view their requirements and ... the National Occupation Standards

Registrar
Dr. C.V. Raman University, Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

In case your institution is already approved either under the scheme of Community Colleges or B.Voc. Program or both, these schemes will get subsumed under the DDU KAUSHAL KENDRA scheme.

With Kind Regards and Best Wishes.

Yours sincerely

(K.P.Singh)

The Registrar,
Dr. C.V. Raman University,
Bilaspur-495113,
Chhattisgarh

Copy to:

The Vice-Chancellor,
Dr. C.V. Raman University,
Bilaspur-495113,
Chhattisgarh

(K.P.Singh)

Dr. C.V. Raman University
Registrar
Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

पं. दीन दयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र के माध्यम से बी. व्होक. एवं एम. व्होक. पाठ्यक्रम संचालित करने हेतु गठित समिति की अनुशंसा

छत्तीसगढ़ शासन, उच्च शिक्षा विभाग के आदेश कमांक 4488 / 4045 / 2015 / 38–2 दिनांक 26.11.2015 द्वारा पं. दीन दयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र की सेवाओं का लाभ उच्च शिक्षा के लिए बी.व्होक. एवं एम. व्होक. पाठ्यकम संचालित करने हेतु अनुशंसा देने के लिए निम्नानुसार समिति का गठन किया गया था :–

1. डॉ. जी.डी. शर्मा, कुलपति, बिलासपुर विश्वविद्यालय, बिलासपुर
2. डॉ. के.एन. बापट, अपर संचालक, उच्च शिक्षा संचालनालय, रायपुर
3. डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव, सहायक प्राध्यापक, भूगर्भशास्त्र, शासकीय विज्ञान महा. दुर्ग

उक्त समिति की आज दिनांक 3.12.2015 को बैठक आयोजित की गई। बैठक में समिति के द्वारा विचारविमर्श उपरान्त निम्नानुसार बिन्दुओं पर अभिमत एवं अनुशंसा दी जाती है:–

1. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के द्वारा प्रदेश में पं. दीन दयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र की स्थापना हेतु सी.वी.रमन निजी विश्वविद्यालय को अनुमति प्रदान की गई है। इसके अन्तर्गत– टेलीकम्यूनिकेशन, रिटेल मैनेजमेंट एवं आई.टी., मेनुफेक्चरिंग के क्षेत्र में बी.व्होक. एवं एम. व्होक. पाठ्यकम संचालित करने हेतु मान्यता प्रदान की गई है।
2. प्रदेश में महाविद्यालयीन युवा छात्र–छात्राओं के कौशल विकास के लिये तथा महाविद्यालयीन एवं विश्वविद्यालयीन शिक्षा को रोजगारपरक बनाने के उद्देश्य से बी.व्होक. एवं एम. व्होक. जैसे पाठ्यकमों की आवश्यकता है।
3. बी.व्होक. एवं एम. व्होक. पाठ्यकम संचालित करने के लिये अधोसंरचना, फैकल्टी एवं टूल्स, मशीनरी आदि पर बहुत अधिक वित्तीय भार की संभावना है। साथही शासन के द्वारा इसका संचालन विभिन्न जिलों में एकाधिक संस्थाओं में करने में व्यावहारिक कठिनाइयां हैं। ऐसी स्थिति में यदि उक्त स्वीकृत पाठ्यकम पं. दीन दयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र के माध्यम से निजी क्षेत्र की भागीदारी (PPP MODE) के अंतर्गत संचालित किया जाता है तो इसका लाभ प्रदेश के छात्र–छात्राओं को मिल सकता है एवं यह लाभकारी, अधिक उपयोगी, मितव्ययी एवं व्यावहारिक भी हो सकता है।

Dr. C.V. Raman University, Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)
Registrar

4. उक्त पाठ्यकम को संचालित करने के पूर्व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के द्वारा निर्धारित केडिट ट्रांसफर के लिए उक्त केन्द्र एवं संबंधित विश्वविद्यालयों के बीच अनुबंध का निष्पादन किया जाना आवश्यक होगा, जिससे केडिट ट्रांसफर में व्यावहारिक कठिनाइयां न हों।
5. उक्त पाठ्यकम का संचालन स्वैच्छिक आधार पर एवं छात्र–छात्राओं की रुचि के आधार पर तथा स्थानीय उद्योगों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए संचालित करने हेतु अनुमति प्रदान की जा सकती है। इसके लिए शासन स्तर से निर्देश जारी करना आवश्यक होगा।
6. बी.व्होक. एवं एम. व्होक. पाठ्यकम के अन्तर्गत यह भी सुविधा है कि छात्र–छात्राएं डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते हैं। ऐसी स्थिति में उक्त पाठ्यकम हेतु डिप्लोमा / सर्टिफिकेट संबंधित निजी संस्था द्वारा ही दिया जा सकता है। इसमें किसी प्रकार की वैधानिक कठिनाई नहीं होगी।
7. उक्त पाठ्यकम को चलाने के लिए छात्र–छात्राओं से लिये जाने वाले शुल्क का निर्धारिण किया जाना व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है तथा इसे स्थानीय परिस्थितियों एवं मांग तथा आपूर्ति के सिद्धांत पर ही निर्धारित किया जाना उचित होगा तथा शासन स्तर से इसमें किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप किया जाना उचित नहीं होगा।

समिति के द्वारा समय की मांग को देखते हुए आगामी शैक्षणिक सत्र से उक्त पाठ्यकम को संचालित करने की अनुशंसा की जाती है, जिससे पं. दीन दयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र का लाभ प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के छात्र–छात्राओं को मिल सके।

G. D. Sharma 3.12.15
(डॉ. जी.डी. शर्मा)
कुलपति
बिलासपुरविश्वविद्यालय,
बिलासपुर

3/12
(डॉ. के.एन. बापट)
अपर संचालक
उच्च शिक्षा संचालनालय,
रायपुर

3/12/15
(डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव)
सहा. प्राध्यापक, भूगर्भशास्त्र,
शासकीय विज्ञान महा. दुर्ग

Dr. C.V. Raman University
Registrar
Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

मार्गदर्शी निर्देश

1. बी0व्होक एवं एम0व्होक पाठ्यक्रम का लाभ पं0 दीन दयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र के माध्यम से प्रदेश के समस्त शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं के द्वारा लिया जा सकेगा।

2. मितव्ययिता की दृष्टि से पाठ्यक्रम, फैकल्टी, पाठ्य सामंग्री एवं परीक्षा संबंधी व्यवस्थायें डॉ0सी0वी0रमन विश्वविद्यालय,बिलासपुर के द्वारा की जावेगी। संबंधित शासकीय/अशासकीय महाविद्यालय के द्वारा प्रयोगशाला की सुविधा, शिक्षण सुविधा, फर्नीचर, विद्युत व्यवस्था– जैसी सुविधा प्रदान की जा सकेगी।

3. पाठ्यक्रम हेतु उचित कालखण्ड का निर्धारण संबंधित महाविद्यालय से संपर्क कर आपसी सहमति से निश्चित किया जा सकेगा। शासन की मंशा है कि पाठ्यक्रम के महत्व को देखते हुए इसी सत्र से पाइलेट आधार पर इसका संचालन प्रारंभ किया जावे।

4. योजना का पर्याप्त प्रचार–प्रसार करने में महाविद्यालय के द्वारा आवश्यक सहयोग प्रदान किया जायेगा एवं संचालित पाठ्यक्रम की गुणवत्ता पर समुचित निगरानी रखी जावगी।

5. पाठ्यक्रम स्वेच्छा के आधार पर संचालित किया जायेगा एवं किसी भी छात्र–छात्रा को बाध्य नही किया जायेगा परन्तु अधिक से अधिक छात्र–छात्रायें इसमें भाग ले सके, इस हेतु प्रयास किया जा सकेगा।

6. बी0व्होक एवं एम0व्होक पाठ्यक्रम हेतु पं0 दीन दयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र एवं संबंधित विश्वविद्यालय के मध्य किये गये एम0ओ0यू0 के आधार पर केडिट ट्रांसफर के संबंध में राज्य शासन को कोई आपत्ति नही है।

-----0----

3/12

Registrar
Dr. C.V. Raman University
Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

यूजीसी ने छत्तीसगढ़ को दिया एकमात्र केंद्र, 708 विश्वविद्यालयों व कालेजों में से हुआ चयन

सीवीआरयू में बनेगा दीनदयाल कौशल केंद्र

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने छत्तीसगढ़ में सिर्फ एक विश्वविद्यालय डा. सीवी रामन यूनिवर्सिटी को सेंटर फॉर नॉलेज एक्यूविजिशन एंड अपग्रेटेशन और स्कील्ड वूमन एबिलिटिस एंड लाइवली वुड स्थापित करने की अनुमति दी है।

हरिभूमि न्यूज़। बिलासपुर

इसके लिए देश भर से 708 विश्वविद्यालय और कॉलेजों ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के समक्ष प्रस्ताव रखा था, जिसमें से [illegible] को दीनदयाल कौशल [illegible] करने की अनुमति प्रदान की गई है। इसमें [illegible] डा. सीवी रामन विश्वविद्यालय में दीनदयाल [illegible] स्थापित किया जाएगा। इस केंद्र में स्नातक से [illegible] तक शिक्षा देने का प्रावधान किया गया है।

■ स्नातक से लेकर रिसर्च तक शिक्षा देने का प्रावधान

विश्वविद्यालय के कुलसचिव शैलेष पाण्डेय ने बताया कि 12वीं योजना के तहत देश भर में 100 दीनदयाल कौशल केंद्र स्थापित किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसकी प्रक्रिया में यूजीसी ने प्रस्ताव मांगे थे, लेकिन 708 विश्वविद्यालयों व कालेजों में से सिर्फ डा. सीवी रामन विश्वविद्यालय को इसके लिए चयनित किया गया। विश्वविद्यालय के सम-कुलपति ने इस सफलता के लिए विश्वविद्यालय परिवार को शुभकामनाएं दी।

बीवोक और सभी कोर्स मल्टीपल

श्री पाण्डेय ने बताया कि केंद्र स्थापित किए जाने के बाद प्रथम चरण में बीवोक कोर्स शुरू किया जाएगा। [illegible] महत्वपूर्ण बात यह है कि सरकार ने सभी कोर्स का मल्टीपल रखा गया है। इसमें बीवोक इन टेली कम्युनिकेशन और बीवोक इन रिटेल मैनेजमेंट इन आईटी की पढ़ाई होगी। कोर्स कराने के बाद 100 प्रतिशत प्लेसमेंट दिया जाएगा। श्री पाण्डेय ने बताया कि यह छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए सुनहरा अवसर है कि यहां प्रदेश का पहला कौशल केंद्र स्थापित किया जा रहा है। श्री पाण्डेय ने बताया कि सरकार के निर्देश पर इस केंद्र के माध्यम से स्कील डेवलपमेंट [illegible] के रूप में स्थापित किया जाएगा। स्कील एजुकेशन एंड डेवलपमेंट इंटरप्रेनरशिप में रिसर्च एंड डेवलपमेंट वर्क को भी स्थापित करने का प्रावधान रखा गया है। इस केंद्र में प्रवेश ले हर [illegible] वर्ग को लाभ होगा। वे हर स्तर पर बेहतर काम सीख पाएंगे और अपने आप को एक दक्ष व्यक्ति के रूप में समाज के सामने रखेंगे।

उच्च शिक्षा व उद्योगों के बीच सामंजस्य : डा. दुबे

विश्वविद्यालय के सम-कुलपति डा. आरपी दुबे ने बताया कि वह दौर चला गया जब शिक्षा व रोजगार अलग-अलग हुआ करते थे। शिक्षा पूरी होने के कई वर्ष बाद भी रोजगार की संभावना दिखाई नहीं पड़ती थी। अब इस दौर में उद्योगों और शिक्षा को जोड़कर काम करना होगा। योजना के अनुसार उच्च शिक्षा व उद्योगों के बीच सामंजस्य को भी शामिल किया गया है। इस केंद्र के माध्यम से सरकारी क्षेत्र व औद्योगिक संगठन के साथ लेबर मार्केट इनआकमेशन के लिए काम करेंगे।

बेहतर काम का प्रतिफल : अग्रवाल

राज्य के उच्च शिक्षा सचिव बीएल अग्रवाल का कहना है कि स्कील डेवलपमेंट की क्षेत्र में डा. सीवी रामन यूनिवर्सिटी पहले से काम कर रहा था। उनके बेहतर काम को देखते हुए यूजीसी ने दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र स्थापित करने की अनुमति डा. सीवी रामन यूनिवर्सिटी को दी गई होगी। दूसरी बात यह भी है कि यह प्रोजेक्ट पूरी तरह सेल्फ फायनेंसिंग है। इसमें पाठ्यक्रम चलाने से लेकर इन्फ्रास्ट्रक्चर खड़ा करने संबंधित पूरा खर्चा संस्थान को ही वहन करना होगा। उन्होंने इसके लिए भी क्षमता दिखाई होगी। [illegible] यूनिवर्सिटी [illegible] केंद्र स्थापित करने की अनुमति नहीं मिलने की तो यूनिवर्सिटी के अधिकारियों की बैठक बुलाकर इसकी समीक्षा की जाएगी।

कड़े दौर के बाद मिली सफलता : पाण्डेय

विश्वविद्यालय के कुलसचिव शैलेष पाण्डेय ने बताया कि प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री [illegible] पाण्डेय व उच्च शिक्षा सचिव डा. बीएल अग्रवाल ने सभी विश्वविद्यालयों की बैठक बुलाई थी, जिसमें मानव संसाधन मंत्रालय व यूजीसी के [illegible] का हवाला देते हुए दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र को छत्तीसगढ़ में स्थापित करने की मंशा जताते हुए सभी विश्वविद्यालयों को [illegible] किया था। इसके बाद विश्वविद्यालय ने सभी मापदंडों को पूरा करने के बाद यूजीसी में प्रस्ताव भेजा [illegible]। प्रस्ताव पर यूजीसी ने परीक्षण करने व प्रजेंटेशन के लिए बुलाया था। [illegible] विश्वविद्यालय की [illegible], अनुभव और कौशल विकास के लिए किए गए प्रयास और आवश्यकता के संबंध में प्रश्न किया गया। श्री पाण्डेय ने कहा कि [illegible] व अनुसूचित क्षेत्र में स्थापित है और यहां कौशल विकास की आवश्यकता है। यहां मिलने वाली सुविधाओं का लाभ विद्यार्थियों को निश्चित ही मिलेगा।

Dr. C.V. Raman University ★ Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.) ★ Registrar

THE TIMES OF INDIA

Skill devpt centre approved by UGC at CV Raman univ

Times News Network

Bilaspur: Dr CV Raman University, Kota (CVRU) is the only university in state to get UGC nod to establish 'Dindayal Kaushla Kendra', a centre for knowledge execution and upgrade, skilled human abilities and livelihood centre.

As many as 708 universities and colleges from across the country had submitted proposals, including Guru Ghasidas Central University, Bilaspur, for the same to UGC.

CVRU registrar Shailesh Pandey said Union ministry of human resources had sought proposals for establishing these centres.

Courses ranging from diploma, advance diploma, bachelor of vocational education, masters and research are to be offered through these centres.

He further said that CVRU is already working on skill development programme of NSDC and has experience in the field.

Pandey said that the centre at CVRU will offer BVoc (bachelor of vocational education).

These courses will be offered in streams like telecommunication, retail management and IT, said Pandey.

The university is confident of getting 100% placement for graduates from these courses, he added.

> These courses will be offered in streams like telecommunication, retail management and IT, said Pandey. The university is confident of getting 100% placement for graduates from these courses
>
> **Shailesh Pandey** | Registrar

Dr. C.V. Raman University ★ Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.) ★ Registrar

दैनिक भास्कर

बिलासपुर, रविवार, 9 अगस्त 2015

उच्च शिक्षा | बैठक में लिया गया फैसला, यूजीसी से मिली हरी झंडी

सीवीआरयू में बीवॉक इसी सत्र से, डिग्री तीन साल में

टेली कम्युनिकेशन और रिटेल मार्केटिंग एंड आईटी दो विषयों के कोर्स शुरू होने से स्टूडेंट्स को मिलेगा लाभ

सिटी रिपोर्टर | बिलासपुर

डॉ. सीवी रमन् यूनिवर्सिटी में कौशल विकास पर आधारित बैचलर ऑफ वोकेशनल (बीवॉक) कोर्स इसी सत्र से शुरू किया जा रहा है। तीन वर्षीय इस कोर्स में पहले साल डिप्लोमा, दूसरे साल उन्नत डिप्लोमा और बीवॉक की डिग्री दी जाएगी। यूनिवर्सिटी में इस शिक्षा सत्र में टेली कम्युनिकेशन व रिटेल मार्केटिंग एंड आईटी दो विषयों के पाठ्यक्रम पढ़ाए जाएंगे।

कुलसचिव शैलेष पांडेय की अध्यक्षता में प्रबंधन और शैक्षणिक विभागों की बैठक में इस विषय पर चर्चा की गई। इसमें लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए कुलसचिव ने बताया कि यूनिवर्सिटी में इसी सत्र से व्यवसायिक स्नातक का पाठ्यक्रम शुरू करने का फैसला लिया गया है। यूजीसी ने भी यूनिवर्सिटी में वोकेशनल कोर्स के स्टूडेंट्स को एडमिशन में प्राथमिकता देने कहा था। देशभर के शिक्षाविदों की सलाह के बाद 1 से 10 स्तर तक का प्रमाण-पत्र तैयार किया गया है। सरकार की इस योजना के अनुसार 1 से लेकर 4 स्तर तक के प्रमाण-पत्र स्कूली विद्यार्थियों के लिए तैयार किए गए हैं।

वर्ष 2012 में ये कोर्स स्कूलों में चलाए जा रहे हैं। इन्हें 2014 तक प्रमाण-पत्र जारी होने शुरू हो जाएंगे। इसलिए आयोग ने सीवीआरयू में वोकेशनल कोर्स को प्राथमिकता देने के लिए अनुरोध किया था। इसी क्रम में अब इसी शिक्षा सत्र से बीवॉक की पढ़ाई शुरू की जा रही है।

कोर्स सुविधा और जरूरत के अनुसार

12वीं की पढ़ाई करने वाले स्टूडेंट्स के साथ उन लोगों को भी अवसर मिलेगा, जिनके पास हुनर है और प्रमाण-पत्र नहीं है। वे भी कोर्स के तहत पढ़ाई करने के बाद डिग्री ले सकते हैं। इसे विद्यार्थियों की सुविधा और जरूरत के अनुसार एक, दो और तीन साल में बांटा गया है। तीन साल की पढ़ाई पूरी करने बीवॉक की डिग्री दी जाएगी। इस दौरान दक्षता के लिए ट्रेनिंग कराई जाती है।

बीई का विकल्प है बीवॉक: कुलसचिव

कुलसचिव पांडेय ने बताया कि समय के साथ बीवॉक इंजीनियरिंग के सशक्त विकल्प के रूप में उभर रहा है। बीवॉक का प्रमाण-पत्र धारक इंजीनियर के समकक्ष काम करने की स्थिति में होंगे, क्योंकि उनके पास दक्षता यानी कार्य कुशलता का अनुभव होगा। कुलसचिव ने कहा भारत सरकार ने प्रदेश के एकमात्र डॉ. सीवी रमन यूनिवर्सिटी को पं. दीनदयाल कौशल केंद्र स्थापित करने की अनुमति दी है। इसके तहत यूनिवर्सिटी ने फर्नीचर, बैंकिंग, ऑर्गेनाइज्ड रिटेल, टेक्सटाइल, आईटी एंड आईटीईएस, एडमिनिस्ट्रेशन, हार्डवेयर एंड नेटवर्किंग, एग्रीकल्चर, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रिकल, टूल, सर्विसिंग, कारपेंटिंग, ऑटोमोबाइल मेकेनिकल सहित कई क्षेत्र में युवाओं का कौशल विकास करने का अभियान शुरू किया है।

Dr. C.V. Raman University
Registrar
Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

यूजीसी ने छत्तीसगढ़ में डॉ. सीवी रामन् विश्वविद्यालय को दिया एक मात्र केंद्र

सीवीआरयू में बनेगा दीनदयाल कौशल केंद्र

[illegible]

स्नातक से लेकर रिसर्च तक की शिक्षा

[illegible]

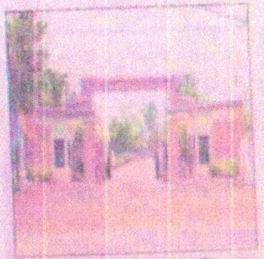

है कि प्रदेश में एक मात्र विश्वविद्यालय डॉ. सीवी रामन् विश्वविद्यालय का [illegible]

[illegible]

उच्च शिक्षा व उद्योगों के बीच सामंजस्य : डॉ. दुबे

[illegible]

प्रथम चरण में दी वोक और सभी कोर्स मल्टीपल

[illegible]

स्कील डेवलमेंट एक्सीलेंस के रूप में होगा स्थापित

[illegible]

-बीएल अग्रवाल
सचिव, उच्च शिक्षा

Dr. C.V. Raman University ★ Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.) ★
Registrar

पत्रिका
बिलासपुर, बुधवार, 08.07.2015

एजुकेशन | यूजीसी की सूची में प्रदेश से सिर्फ एक निजी यूनिवर्सिटी शामिल

सीयू-बीयू पर भारी पड़ी सीवीआरयू

बिलासपुर @ पत्रिका
patrika.com/city

दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र के रूप में सेंट्रल यूनिवर्सिटी और बिलासपुर यूनिवर्सिटी का प्रस्ताव नामंजूर कर दिया गया है। कोरबा के कमला नेहरू महाविद्यालय का प्रस्ताव भी यूजीसी ने नामंजूर किया है। प्रदेश से सिर्फ एक निजी यूनिवर्सिटी को सेल्फ फाइनेंस कैटेगरी में दो विषयों के लिए मान्यता मिली है। योजना के तहत युवाओं को विभिन्न उद्योगों और संस्थानों की जरूरत के मुताबिक मेनपॉवर के रूप में तैयार करने के लिए यूजीसी से पांच करोड़ रुपए तक का अनुदान मिलना था। केंद्र शासन और मानव संसाधन विकास मंत्रालय के महत्वाकांक्षी दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए गुरु घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी और बिलासपुर यूनिवर्सिटी के प्रस्ताव को यूजीसी ने नामंजूर कर दिया है। दरअसल यूजीसी ने एमएचआरडी की योजना के तहत यूनिवर्सिटी और कॉलेजों में दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र शुरू करने के लिए देशभर की नैक मूल्यांकित यूनिवर्सिटी और कॉलेज से प्रस्ताव मांगे थे। सेंट्रल यूनिवर्सिटी, बिलासपुर यूनिवर्सिटी, रायपुर की पं. रविशंकर शुक्ल यूनिवर्सिटी, कोरबा के कमला नेहरू महाविद्यालय समेत कुछ अन्य संस्थानों ने प्रस्ताव भेजा था। प्रदेश से किसी भी शैक्षणिक संस्थान को यूजीसी का एप्रूवल नहीं मिला। बिलासपुर की सीवीआरयू को सेल्फ फाइनेंस स्कीम के तहत दो विषयों में केंद्र शुरू करने की मंजूरी मिली है।

पांच करोड़ तक का अनुदान मिलना था

दीनदयाल कौशल केंद्र के रूप में मान्यता मिलने पर सेंट्रल यूनिवर्सिटी और बिलासपुर यूनिवर्सिटी को यूजीसी से पांच करोड़ रुपए तक का अनुदान मिलता। इसमें दो करोड़ रुपए इन्फ्रास्ट्रक्चर, दो करोड़ रुपए स्टाफ के वेतन समेत अन्य भुगतान और एक करोड़ रुपए सेमिनार, वर्कशॉप, ट्रेनिंग प्रोग्राम, वेब किएशन, रिसोर्स पर्सन आदि के लिए मिलना था। केंद्र शासन और एमएचआरडी की महत्वाकांक्षी योजना में सेंट्रल यूनिवर्सिटी और बिलासपुर यूनिवर्सिटी को जगह नहीं मिलना बड़ी नाकामयाबी मानी जा रही है।

क्या है दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र

दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर स्थापित किए जा रहे हैं। एमएचआरडी की योजना के आधार पर नैक मूल्यांकित यूनिवर्सिटी और कॉलेजों से यूजीसी ने प्रस्ताव मांगे थे। इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत दसवीं पास से लेकर स्नातकोत्तर कर चुके छात्र-छात्राओं का कौशल विकास किया जाना है। योजना का उद्देश्य यहां से पढ़ाई और ट्रेनिंग करने वाले छात्र-छात्राओं को विभिन्न उद्योगों की जरूरत के मुताबिक मैन पॉवर के रूप में तैयार करना है।

Dr. C.V. Raman University
Registrar
Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

Hitavada

RAIPUR ■ Tuesday ■ August 11 ■ 2015

Dr C V Raman University introduces Bachelor of Vocational Course

Shailesh Pandey

Pandey said that the university has decided to introduce B.Voc course from this session which would impart courses from Bachelors degree up to Ph.D. He said that the students applying for this course may seek admission after passing out from school.

■ **Our Correspondent**
BILASPUR, Aug 10

FOLLOWING the Instructions of University Grants Commission (UGC), Dr C V Raman University (CVRU) has introduced the Bachelor of Vocational Course (B.Voc) from this session. Besides graduation, CVRU will also offer courses of Masters Degree and Ph.D of B.Voc.

During graduation, the university will offer Diploma Course in the first year followed by Advanced Diploma in the second and degree in the last year.

In the current academic session CVRU will impart courses on Tele Communication, Retail Marketing and Information Technology to ensure cent per cent placement after completion of the courses.

Registrar of CVRU Shailesh Pandey conducted an important meeting of departments of education and administration at the varsity campus on Monday.

Elaborating about this, Pandey said that the university has decided to introduce B.Voc course from this session which would impart courses from Bachelors degree up to Ph.D.

He said that the students applying for this course may seek admission after passing out from school. He said that UGC in a letter addressed to CVRU had asked the university to introduce this course and give admissions to the students on priority basis.

He said that the Government of India to generate employment has decided to impart Professional Training to the students through National Skills Qualifications Framework (NSQF). He said that in the current academic year this course has been introduced in the school level. He said that the course would be a golden opportunity for the students to learn many courses.

Pandey further said that this will also be helpful for those who have the ability but do not have a certificate to prove his talent.

"It is the recognition of prior learning to polish the skills of those talents whose talents are waiting to rule the market. During education the students would also be given practical and field training of the courses", he said. He informed that with the passage of time the education system has witnessed vast changes.

The B.Voc course can be seen as an alternative to Engineering and in the following years this will be on demand. He said that with the permission from the Government of India CVRU will establish a Pandit Dindayal Skill Center at the varsity campus for B.Voc students. With the introduction of the course CVRU hasd started training the youths on Finance, Banking, Organized Retail, Textile, IT and ITES, Hardware and Networking, Administration, Agriculture, Automobiles, Electrical, Tools, Servicing, Carpenting, Mechanical and other fields.

Dr. C.V. Raman University
Registrar
Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

नवभारत

बिलासपुर, रविवार, 9 अगस्त 2015

अब केवल डिग्री कारगर नहीं होगी

डॉ.सी.वी.रामन् विश्वविद्यालय के कुलसचिव शैलेष पाण्डेय की नवभारत से विशेष बातचीत

स्कील्ड होना काबिलियत की पहचान

बिलासपुर. डॉ.सी.वी.रामन् विश्वविद्यालय के कुलसचिव शैलेष पाण्डेय का कहना है कि डिग्री शिक्षा के स्तर का मापने का पारंपरिक पैमाना है, किन्तु यह विद्यार्थी की काबिलियत के लिए जारी नहीं किया जाता है. इस बात को इस तरह से आसानी से समझा जा सकता है कि किसी भी स्कूल कॉलेज और विश्वविद्यालय में कक्षा में पढ़ाई के दौरान मुख्य रूप से चार प्रकार के छात्र दिखाई पड़ते हैं, पहला वो जिसमें छात्र शिक्षक के लेक्चर सुनता है पर समझता नहीं है, दूसरा वह जो सब कुछ सुनता और समझता भी है, तीसरा छात्र वो है जो सुनता, समझता तो है कि साथ में बोलता भी है और चौथा वह छात्र जो सुनता ही नहीं है उसका ध्यान ही क्लास में नहीं होता. इसके बाद परीक्षा प्रक्रिया पूरी होने के बाद मूल्यांकन [illegible] पत्र दे दिया जाता है, लेकिन [illegible] नहीं लिखा होता है कि [illegible] कितनी काबिलियत है या [illegible] ने पढ़ाई की है वह उस [illegible] कितने कुशल है उनकी [illegible]. विद्यार्थी की योग्यता की [illegible] तब होती है, जब वह काम [illegible] जाता है और रोजगार के संस्थान में जाकर काम करता है. बात बहुत ही साफ व स्पष्ट है कि डिग्री से काबिलियत नहीं दी सकती.

नवभारत से विशेष बातचीत करते हुए कहा कि बदलते परिवेश में संचार व सूचनाक्रांति तेजी से बढ़ती जा रही है और हमें प्रभावित भी कर रही है. ऐसे में विश्वविद्यालयों में भी वर्तमान समय के अनुसार परिवर्तन करने की जरूरत है, ताकि हम भावी युवा पीढ़ी को दुनिया के सामने तकनीकी रूप से दक्ष बना कर खड़ा कर सकें. महत्वपूर्ण बात यह भी है कि एक तरफ जहां दुनिया के ज्यादातर देशों में आर्थिक संकट के कारण सरकारी नौकरियां भी समाप्त की जा रही है, वहीं दूसरी तरफ युवा का देश माना जाने वाला भारत अर्थव्यवस्था के मामले में सही दिशा में जा रहा है. सामाजिक व अधोसंरचनात्मक क्षेत्र में सरकार की तरफ से ज्यादा ध्यान दिए जाने के साथ उच्च शिक्षा में गुणात्मक बदलाव के कारण देश के युवाओं के सामने रोजगार के अवसर आ रहे हैं. आटोमोबाइल व उससे जुड़े अन्य निर्माण के क्षेत्र, टेलीकॉम, बैंकिंग, कमोडिटी तथा शिक्षा के क्षेत्र में हो रहा फैलाव इस बात के संकेत दे रहा है कि हम वर्ष 2020 तक विश्व में सुपर पावर के रूप में पहचाने जाएंगे, लेकिन इसके लिए युवाओं को पढ़े लिखे एवं दक्ष कर्मियों के रूप में अपने आप को प्रस्तुत करना होगा.

स्कील्ड लोगों को ही मिलेगा रोजगार

दुनिया के सामने भारत को मजबूती के साथ खड़ा करने के लिए केंद्र सरकार ने 2020 तक 50 करोड़ भारतीयों के कौशल विकास का लक्ष्य रखा है. वास्तव में कौशल के विषय में आज की वास्तविक स्थिति यह है कि 50-60 प्रतिशत लोग स्कील्ड अपडेट ही नहीं है, जबकि 75 प्रतिशत स्कील्ड गेप है. देश में 10वीं योजना में उत्पन्न कुल अतिरिक्त रोजगार के अवसर इतने हैं, कि कुशल हाथ खाली नहीं रहेंगे. 296 लाख से भी अधिक रोजगार के अवसर विकास आधारित हैं, तो 192 लाख से अधिक रोजगार के अवसर कार्यक्रम आधारित देश में उपलब्ध हैं. भारत सरकार ने कौशल विकास को लेकर जो चिंता दिखाई है, उसके पीछे एक अत्यंत चिंताजनक आंकड़ा यह सामने आया है, कि रोजगार कार्यालयों में जिन युवाओं ने नौकरी के लिए पंजीयन कराया है. उनमें से 80 प्रतिशत युवाओं के पास किसी भी प्रकार का व्यवसायिक कौशल नहीं है. जिसमें 2020 तक 50 करोड़ लोगों को दक्ष करने का लक्ष्य रखा गया है. इसी तरह कुछ दिन पहले ही मानव संसाधन मंत्रालय ने पं. दीनदयाल कौशल केंद्र की स्थापना करने की घोषणा की है. जिसमें प्रदेश में सिर्फ डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय को केंद्र बनाया गया है.

शिक्षा व रोजगार अब साथ-साथ

हाल में दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में हुई देश के सभी कुलपतियों की बैठक में उच्च शिक्षा व रोजगार के विषय में गहन चिंतन और विचारों का आदान प्रदान किया गया. जिसमें सभी कुलपतियों ने अपनी राय रखी. इस संबंध में एक राय यह भी बनी है कि शिक्षा और रोजगार के अवसर को साथ लेकर आगे चला जाएगा, यानि कि अब उद्योगों की जरूरत के अनुसार ही ऐसे पाठ्यक्रम पढ़ाए जाएंगे, जिससे युवाओं को जल्द ही रोजगार मिल सके और उद्योगों को दक्ष कारीगर. श्री पाण्डेय का कहना है कि आज कौशल विकास के बिना अब रोजगार संभव नहीं है. जहां तक छत्तीसगढ़ में रोजगार की अवसर की बात है, यहां सभी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर है.

पारंपरिकता नहीं अब तकनीक जरूरी

श्री पाण्डेय का कहना है कि उच्च शिक्षा में पारंपरिक शिक्षा की नहीं बल्कि तकनीकी शिक्षा की जरूरत है, तकनीकी शिक्षा से आशय हर कार्य तकनीक में शामिल है. विद्यार्थी की प्रवेश, पढ़ाई, परीक्षा और अंत में प्रमाण पत्र सब कुछ ऑनलाइन होना चाहिए. विद्यार्थी घर बैठे ही प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर सके, ऑन लाइन फीस भुगतान हो, डिजीटल क्लास रूम हो, ऑन लाइन परीक्षा और रिजल्ट घोषित किए जाए, तभी हम विद्यार्थी को पारंपरिक पढ़ाई से दूर एक तकनीकी रूप से मजबूत कर पाएंगे. लेकिन उच्च शिक्षण संस्थानों ने अपने आप को अब तक पूर्ण रूप से तकनीक से नहीं जोड़ा है.

सरकार च्वाइस बेस सिस्टम शुरू करने की तैयारी में है लेकिन अब तक संस्थानों को अपडेट नहीं किया जा सका है. यूजीसी ने सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के कैंपस को वाईफाई करने का निर्देश जारी किया है, इस निर्देश पर अमल कर पूरी जानकारी अब तक नहीं भेजी गई है. ऐसी स्थिति में हम दूसरे देश की तुलना में काफी पीछे छूटते जा रहे हैं और जब किसी देश की शिक्षा पिछड़ती है तो उस वह देश की सर्वांगीण विकास पिछड़ता है.

Dr. C.V. Raman University ★ Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.) ★ Registrar

हरिभूमि

रविवार, 9 अगस्त, 2015, [illegible]

उच्च स्तरीय बैठक में लिया गया फैसला

सीवीआरयू में बीवोक शीघ्र

हरिभूमि न्यूज, बिलासपुर

भारत सरकार व यूजीसी के निर्देश पर डा. सीवी रामन यूनिवर्सिटी में कौशल विकास पर आधारित उच्च शिक्षा का पाठ्यक्रम शुरू किया जा रहा है। बेचलर ऑफ वोकेशनल कोर्स यानी व्यावसायिक स्नातक। बीवोक पाठ्यक्रम में स्नातक, स्नातकोत्तर और रिसर्च तक की पढ़ाई होगी। इस तीन वर्षीय पाठ्यक्रम में पहले वर्ष विस्तार डिप्लोमा, दूसरे वर्ष उन्नत डिप्लोमा और बीवोक की डिग्री दी जाएगी।

[illegible] में इस शिक्षा सत्र में टेली [illegible] और रिटेल मार्केटिंग एंड [illegible] दो विषयों के पाठ्यक्रम पढ़ाए [illegible]।

यूजीसी के निर्देश के अनुसार पाठ्यक्रम [illegible] पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को उद्योगों में [illegible] रोजगार उपलब्ध होगा। डा. सीवी रामन विश्वविद्यालय में कुलसचिव [illegible] की अध्यक्षता में प्रबंधन और [illegible] विभागों की संयुक्त बैठक [illegible] की गई। जिसमें नए शिक्षा सत्र में [illegible] और अन्य गतिविधियों के विषय में [illegible] की गई।

बैठक में लिए गए निर्णय के बारे में [illegible] पाण्डेय ने बताया कि [illegible] में इसी सत्र से बेचलर ऑफ [illegible] यानी कि व्यावसायिक स्नातक का [illegible] शुरू करने का फैसला लिया गया [illegible] व्यावसायिक स्नातक, स्नातकोत्तर [illegible] तक की पढ़ाई होगी। तीन वर्षीय [illegible] में पहले वर्ष विस्तार डिप्लोमा, [illegible] उन्नत डिप्लोमा और बीवोक की [illegible]।

[illegible] इस वर्ष से विश्वविद्यालय में [illegible] और रिटेल मार्केटिंग एंड [illegible] दो विषयों के पाठ्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं, जिसमें स्कूली शिक्षा उत्तीर्ण करके आए विद्यार्थी सीधे प्रवेश ले सकेंगे। श्री पाण्डेय ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने पत्र जारी कर विश्वविद्यालय से कहा था कि डा. सीवी रामन विश्वविद्यालय में वोकेशनल कोर्स के विद्यार्थियों को प्रवेश देने के लिए प्राथमिकता दी जाए।

भारत सरकार की राष्ट्रीय कौशल अहर्ता संरचना एनएसक्यूएफ योजना के तहत राष्ट्रीय व्यावसायिक शैक्षिक अहर्ता संरचना एनवीईक्यूएफ द्वारा व्यावसायिक शिक्षा के लिए काम कर रहा है। इसके लिए देशभर के शिक्षाविदों की सलाह के बाद 1 से 10 स्तर तक का प्रमाण पत्र तैयार किया गया है। सरकार की इस योजना के अनुसार 1 से लेकर 4 स्तर तक के प्रमाण पत्र वे है, जो स्कूली विद्यार्थियों के लिए तैयार किए गए हैं। इसमें वर्ष 2012 में एनवीईक्यूएफ के अनुकरण में स्कूल बोर्ड द्वारा व्यावसायिक पाठ्यक्रम प्रस्तावित किए गए और वह पाठ्यक्रम स्कूलों में संचालित किए जा रहे हैं। ऐसे पाठ्यक्रम में पढ़कर उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों को 2014 तक प्रमाण पत्र जारी होने शुरू हो जाएंगे, इसलिए आयोग ने सीवीआरयू में वोकेशनल कोर्स को प्राथमिकता देने के लिए अनुरोध किया था। इसी क्रम में अब इसी शिक्षा सत्र से बीवोक की पढ़ाई शुरू की जा रही है।

यूजीसी से मिली हरी झंडी

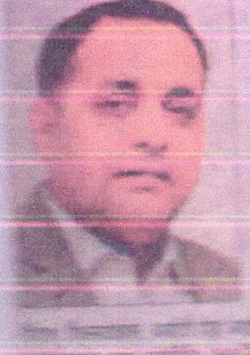

बीई का विकल्प बी वोक : पाण्डेय

कुलसचिव श्री पाण्डेय ने बताया कि बदलते समय के साथ अब इंजीनियरिंग की शिक्षा में [illegible] आया है। समय की मांग के अनुसार अब बीवोक, इंजीनियरिंग के [illegible] विकल्प के रूप में उभर रहा है। वह दिन दूर नहीं जब [illegible] इंजीनियरिंग जैसी [illegible] शिक्षा को पीछे छोड़कर काफी आगे [illegible]। बीवोक का प्रमाण पत्र धारक लोग इंजीनियर के समकक्ष कार्य करने की स्थिति में होंगे, क्योंकि उनके पास दक्षता यानी कार्य कुशलता का [illegible]। श्री पाण्डेय ने बताया कि भारत सरकार ने प्रदेश के एक मात्र डा. सीवी रामन विश्वविद्यालय को [illegible] कौशल केंद्र स्थापित करने की [illegible]

रिकोगनिशन ऑफ प्रियोर लर्निंग भी

यह वास्तव में विद्यार्थियों के लिए सुनहरा अवसर है कि उन्हें बीवोक की पढ़ाई करने का अवसर मिल रहा है। 12वीं की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों के साथ-साथ उन लोगों को भी अवसर मिलेगा। जिनके पास हुनर है और प्रमाण पत्र नहीं है। वे वर्षों से दक्षता के साथ कार्य कर रहे हैं। वे भी कोर्स के तहत पढ़ाई करके डिग्री ले सकते हैं। जिसे रिकोगनिशन ऑफ प्रियोर लर्निंग की पढ़ाई कही जाती है। इसका प्रमुख कारण यह है कि [illegible] इसमें दो बातें महत्वपूर्ण है जिसमें इस डिग्री को [illegible] और [illegible] के अनुसार 1-2 और 3 साल में [illegible] साल की पढ़ाई पूरी करने बीवोक की डिग्री दी [illegible] के ट्रेनिंग कराई जाती है।

Dr. C.V. Raman University, Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.) Registrar

भारत का सबसे बड़ा समाचार पत्र समूह
दैनिक भास्कर

सीवीआरयू में खुलेगा पं. दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र

यूजीसी ने छत्तीसगढ़ को दिया एकमात्र सेंटर, उद्देश्य- उद्योगों में स्किल्ड मैनपॉवर देने शॉर्ट टर्म, पीजी और रिसर्च स्पेशलाइजेशन कोर्स

एजुकेशन रिपोर्टर | बिलासपुर

यूजीसी ने छत्तीसगढ़ में डॉ. सीवी रामन यूनिवर्सिटी को सेंटर फॉर नॉलेज एक्यूजिशन एंड अपग्रेडेशन और स्किल्ड ह्यूमन एबिलिटीज एंड लाइवलीहुड स्थापित करने की अनुमति दी [illegible] देशभर से 708 विश्वविद्यालयों [illegible] ने प्रस्ताव भेजा था। इनमें 65 [illegible] दीनदयाल कौशल केंद्र स्थापित [illegible] अनुमति दी गई है, जिसमें छत्तीसगढ़ [illegible] डॉ. सीवी रामन यूनिवर्सिटी है। केंद्र

स्थापित करने का उद्देश्य उद्योगों में स्किल्ड मैनपॉवर देने के लिए शॉर्ट टर्म कोर्स, पोस्ट ग्रेजुएशन और रिसर्च स्पेशलाइजेशन कोर्स करवाया जाना है।

यूनिवर्सिटी के कुलसचिव शैलेष पाण्डेय ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा के अनुरूप मानव संसाधन मंत्रालय और यूजीसी ने सेंटर फॉर नॉलेज एक्यूजिशन एंड अपग्रेडेशन और स्किल्ड ह्यूमन एबिलिटीज एंड लाइवलीहुड स्थापित करने के लिए प्रस्ताव मांगे थे। इसके माध्यम से मैनपॉवर तैयार किया जाएगा। इन सेंटरों के माध्यम से डिप्लोमा, एडवांस डिप्लोमा, बैचलर ऑफ वोकेशनल एजुकेशन, मास्टर व रिसर्च स्तर तक शिक्षा का प्रावधान किया गया है।

शेष पेज | 15

कड़े दौर के बाद मिली सफलता: कुलसचिव

कुलसचिव पाण्डेय ने बताया कि उच्च शिक्षा मंत्री व शिक्षा सचिव ने यूनिवर्सिटी की [illegible] बैठक में एमएचआरडी व यूजीसी [illegible] के पत्र का हवाला दे दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र छत्तीसगढ़ में स्थापित [illegible] था। हमने यूजीसी में प्रस्ताव [illegible] किया था। परीक्षण व प्रेजेंटेशन के लिए बुलाया गया। इसमें यूनिवर्सिटी की योग्यता, अनुभव और कौशल विकास के लिए किए प्रयास और अधोसंरचना के संबंध में प्रश्न किए गए थे।

शिक्षा व उद्योगों में सामंजस्य जरूरी- डॉ. दुबे

यूनिवर्सिटी सम-कुलपति डॉ. आरपी दुबे ने बताया कि [illegible] शिक्षा व रोजगार अलग-अलग हुआ करते थे। अब उद्योग और शिक्षा को जोड़कर काम [illegible]। योजना के अनुसार [illegible] को भी शामिल किया गया है। इस केंद्र [illegible] सरकारी क्षेत्र व औद्योगिक संगठन के साथ [illegible] के लिए काम करेगा। इस तरह उद्योगों की [illegible] और उद्योग भी आधुनिक तकनीकी शिक्षा के अनुसार तैयार हो सकेंगे।

Dr. C.V. Raman University, Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)
Registrar

नईदुनिया

www.naidunia.com

बिलासपुर, रायपुर, इंदौर, भोपाल (नवदुनिया), जबलपुर, ग्वालियर और दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय संस्करण) से एक साथ प्रकाशित

रविवार, 9 अगस्त 2015

डॉ. सीवी रामन् यूनिवर्सिटीः उच्च स्तरीय बैठक में लिया गया फैसला, यूजीसी से मिली हरी झंडी

बी वोक की पढ़ाई होगी इसी सत्र से

भारत सरकार व यूजीसी के निर्देश पर डॉ.सीवी रामन् विश्वविद्यालय में कौशल विकास पर आधारित उच्च शिक्षा का पाठ्यक्रम शुरू किया जा रहा है। बेचलर ऑफ वोकेशनल कोर्स यानी कि व्यवसायिक स्नातक बी वोक पाठ्यक्रम में स्नातक, स्नातकोत्तर और रिसर्च तक की पढ़ाई होगी। इस तीन वर्षीय पाठ्यकम में पहले वर्ष विस्तार डिप्लोमा, दूसरे वर्ष उन्नत डिप्लोमा और बी वोक का डिग्री दी जाएगी। विश्वविद्यालय में इस शिक्षा सत्र में टेली कम्युनिकेशन और रिटेल मार्केटिंग एंड आईटी के विषयों के पाठ्यक्रम पढ़ाए [illegible] यूजीसी के निर्देश [illegible] पाठ्यक्रम में प [illegible] वाले विद्यार्थियों को [illegible] शतप्रतिशत रोजगार [illegible] होगा।

बिलासपुर। विश्वविद्यालय में कुलसचिव शैलेष पाण्डेय की अध्यक्षता में प्रबंधन और शैक्षणिक विभागों की संयुक्त बैठक हुई। इसमें नए शिक्षा सत्र में पढ़ाई और अन्य गतिविधियों के विषय में चर्चा की गई।

बैठक में लिए गए निर्णय के बारे में जानकारी देते हुए कुलसचिव श्री पाण्डेय ने बताया कि विश्वविद्यालय में इसी सत्र से बेचलर और वोकेशनल यानी कि व्यवसायिक स्नातक का पाठ्यक्रम शुरू करने का फैसला लिया गया है, जिसमें व्यवसायिक स्नातक, स्नातकोत्तर और रिसर्च तक की पढ़ाई होगी।

नए सत्र में इस वर्ष से विश्वविद्यालय में टेली कम्युनिकेशन और रिटेल मार्केटिंग एंड आई इन दो विषयों के पाठ्यक्रम शुरू किया जा रहा है, जिसमें स्कूली शिक्षा उत्तीर्ण कर आए विद्यार्थी सीधे प्रवेश ले सकेंगे। श्री पाण्डेय ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान

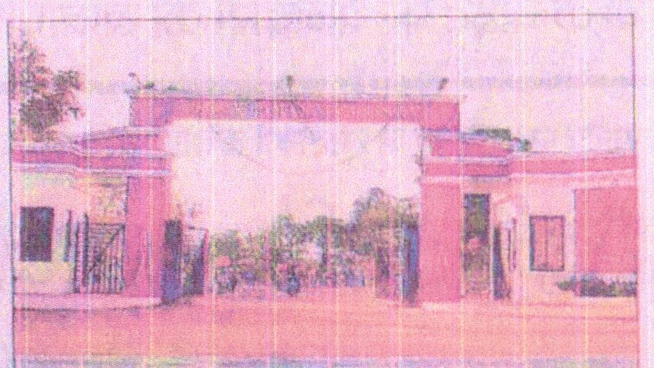

आयोग ने पत्र जारी कर विश्वविद्यालय से कहा था कि कि इस विश्वविद्यालय में वोकेशनल कोर्स के विद्यार्थियों को प्रवेश देने के लिए प्राथमिकता दी जाए। भारत सरकार के राष्ट्रीय कौशल अर्हता संरचना (एनएसक्यूएफ) योजना के तहत राष्ट्रीय व्यावसायिक शैक्षिक अर्हता संरचना (एनवीईक्यूएफ) द्वारा व्यवसायिक शिक्षा के लिए काम कर रहा है। इसके लिए देशभर के शिक्षाविदों के सलाह के बाद 1 से 10 स्तर तक का प्रमाण पत्र तैयार किया गया है। सरकार की इस योजना के अनुसार 1 से लेकर 4 स्तर तक के प्रमाण पत्र वे है, जो स्कूली विद्यार्थियों के लिए तैयार किए गए हैं। इसमें वर्ष 2012 में एनवीईक्यूएफ के अनुकरण में स्कूल बोर्ड द्वारा व्यावसायिक पाठ्यक्रम प्रस्तावित किए गए और यह पाठ्यक्रम स्कूलों में संचालित किए जा रहे हैं।

ऐसे पाठ्यक्रम में पढ़कर उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों को 2014 तक प्रमाण पत्र जारी होने शुरू हो जाएंगे। इसलिए आयोग ने सीवीआरयू में वोकेशनल कोर्स को प्राथमिकता देने अनुरोध किया था। इसी क्रम में अब इसी शिक्षा सत्र से बी वोक की पढ़ाई शुरू की जा रही है।

रिकोगनिशन ऑफ प्रियार लर्निंग भी

यह वास्तव में विद्यार्थियों के लिए सुनहरा अवसर है, कि उन्हें बी वोक की पढ़ाई करने का अवसर मिल रहा है। 12वीं की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों के साथ-साथ उन लोगों को भी अवसर मिलेगा। जिनके पास हुनर है और प्रमाण पत्र नहीं है। वे वर्षों से दक्षता के साथ कार्य कर रहे हैं। वे भी कोर्स के तहत पढ़ाई करके डिग्री ले सकते हैं। जिसे रिकोगनिशन ऑफ प्रियार लर्निंग की पढ़ाई कहा जाता है। इसका प्रमुख कारण यह है कि अब बाजार में ऐसे लोगों की जरूरत है जो दक्ष हों। इसमें दो बातें महत्वपूर्ण हैं जिसमें इस डिग्री को विद्यार्थियों की सुविधा और जरूरत के अनुसार 1-2 और 3 साल में विभक्त किया गया है। 3 साल की पढ़ाई पूरी करने पर बी वोक की डिग्री दी जाएगी। इस दौरान दक्षता की ट्रेनिंग कराई जाती है।

बीई का विकल्प

कुलसचिव श्री पाण्डेय ने बताया कि बदलते समय के साथ अब इंजीनियरिंग की शिक्षा में बदलाव आया है। समय की मांग के अनुसार अब बी वोक, इंजीनियरिंग के सशक्त विकल्प के रूप में उभर रहा है। वह दिन दूर नहीं जब बी वोक इंजीनियरिंग जैसे तकनीकी शिक्षा को पीछे छोड़कर काफी आगे निकल जाएगा। बी वोक का प्रमाण पत्र धारक इंजीनियर के समकक्ष कार्य करने की स्थिति में होंगे, क्योंकि उनके पास दक्षता यानी की कार्य कुशलता का अनुभव होगा। श्री पाण्डेय ने बताया कि भारत सरकार ने प्रदेश के एक मात्र डॉ. सीवी रामन् विश्वविद्यालय को पं.दीनदयाल कौशल केंद्र स्थापित करने की अनुमति दी है। इसके तहत विश्वविद्यालय ने फाइनेंस, बैंकिंग, आर्गेनाइज्ड रिटेल, टैक्सटाइल, आईटी एवं आईटीईएस, एडमिनिस्ट्रेशन, हार्डवेयर एंड नेटवर्किंग, एग्रीकल्चर, आटोमोबाइल, इलेक्ट्रिकल, टूल, सर्विसिंग, कार्पेंटरी, आटोमोबाइल मैकेनिकल, सहित अनेक क्षेत्र में युवाओं का कौशल विकास करने का अभियान शुरू किया है।

Registrar
Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

पत्रिका

बिलासपुर, रविवार, 9 अगस्त 2015

सीवी रामन में इस सत्र से शुरू होगी बी.वोक की पढ़ाई

एजुकेशन

उच्च स्तरीय बैठक में लिया गया महत्वपूर्ण फैसला, यूजीसी से मिली हरी झंडी

बिलासपुर @ पत्रिका
patrika.com/city

भारत सरकार व यूजीसी के निर्देश पर डॉ.सीवी रामन यूनिवर्सिटी में कौशल विकास पर आधारित उच्च शिक्षा का पाठ्यक्रम शुरू किया जा रहा है। बी. वोक पाठ्यक्रम में स्नातक, स्नातकोत्तर व रिसर्च तक की पढ़ाई होगी। इस तीन वर्षीय पाठ्यक्रम में पहले वर्ष विस्तार डिप्लोमा, दूसरे वर्ष उन्नत डिप्लोमा व बी.वोक की डिग्री दी जाएगी। इस सत्र में टेली कम्युनिकेशन व रिटेल [illegible] एंड [illegible] के पाठ्यक्रम [illegible]। यूजीसी के अनुसार [illegible] पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों को [illegible] के क्षेत्र में शत-प्रतिशत [illegible] के अवसर होंगे। स्कूली [illegible] करके विद्यार्थी सीधे [illegible]।

सीवी रामन यूनिवर्सिटी के [illegible]

यूनिवर्सिटी में इसी सत्र से बैचलर ऑफ वोकेशनल व्यावसायिक कोर्स शुरू करने का फैसला लिया गया है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने पत्र जारी कर कहा था कि डॉ.सीवी रमन यूनिवर्सिटी में वोकेशनल कोर्स के विद्यार्थियों को प्रवेश देने के लिए प्राथमिकता दी जाए। भारत सरकार की राष्ट्रीय कौशल अर्हता संरचना (एनएसक्यूएफ) योजना के तहत व्यवसायिक शिक्षा के लिए काम किया जा रहा है। इसके लिए देशभर के शिक्षाविदो के सलाह के बाद 1 से 10 स्तर तक का प्रमाण पत्र तैयार किया गया है। ये स्कूली विद्यार्थियों के लिए तैयार किए गए हैं। इसमें वर्ष 201[illegible] [illegible] एनवीईक्यूएफ के [illegible] स्कूल बोर्ड द्वारा [illegible] पाठ्यक्रम प्रस्तावित [illegible] स्कूलों में संचालित हो [illegible]

बीई का विकल्प बी. वोक कुलसचिव

कुलसचिव शैलेष पाण्डेय ने बताया कि बदलते समय के साथ अब इंजीनियरिंग की शिक्षा में बदलाव आया है। समय की मांग के अनुसार अब बी.वोक, इंजीनियरिंग के सशक्त विकल्प के रूप में उभर रहा है। बी. वोक कर प्रमाण पत्र धारक लोग इंजीनियर के समकक्ष कार्य करने की स्थिति में होंगे, क्योंकि उनके पास कार्य कुशलता का अनुभव होगा। पाण्डेय ने बताया कि भारत सरकार ने प्रदेश के एक मात्र डॉ.सीवी रमन विश्वविद्यालय को पं.दीनदयाल कौशल केंद्र स्थापित करने की अनुमति दी है। इसके तहत विश्वविद्यायल ने फाइनेंस, बैंकिंग, आर्गेनाइज्ड रिटेल, हार्डवेयर एंड नेटवर्किंग, टैक्सटाइल, आईटी एंड आईटीईएस, एडमिनिस्ट्रेशन, एग्रीकल्चर, आटोमोबाइल, इलेक्ट्रिकल, टूल, सर्विसिंग, कारपेंटिंग, आटोमोबाइल मैकेनिकल सहित अनेक क्षेत्र में युवाओं में कौशल विकास करने का अभियान शुरू किया है।

रिकोगनिन ऑफ प्योर लर्निंग भी

12वीं की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों के साथ हुनर प्राप्त लोग भी पढ़ाई करके डिग्री पा सकते हैं। इसे रिकोग्निशन ऑफ प्योर लर्निंग की पढ़ाई कहा जाता है। इसमें विद्यार्थियों के लिए बी.वोक की पढाई का सुनहरा अवसर मिल रहा है। दो बातें महत्वपूर्ण हैं, इस डिग्री को विद्यार्थियों की सुविधा व जरूरत के अनुसार 1-2 व 3 साल में विभक्त किया गया है। 3 साल की पढ़ाई पूरी करने के लिए बी.वोक की डिग्री दी जाएगी।

Dr. C.V. Raman University
Registrar
Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

नवभारत

बिलासपुर, सोमवार 10 अगस्त 2015

उच्च स्तरीय बैठक में लिया गया महत्वपूर्ण फैसला, यूजीसी से मिली हरी झंडी

रमन विवि में बी वोक की पढ़ाई

बिलासपुर. भारत सरकार व यूजीसी के निर्देश पर डॉ.सी.वी.रमन् विश्वविद्यालय में कौशल विकास पर आधारित उच्च शिक्षा का पाठ्यक्रम शुरू किया जा रहा है. बेचलर ऑफ वोकेशनल कोर्स यानी कि व्यावसायिक स्नातक. बी. वोक पाठ्यक्रम में स्नातक, स्नातकोत्तर और रिसर्च तक की पढ़ाई होगी. इस तीन वर्षीय पाठ्यक्रम में पहले वर्ष विस्तार डिप्लोमा, दूसरे वर्ष उन्नत डिप्लोमा और बी वोक की डिग्री दी जाएगी. विश्वविद्यालय में इस शिक्षा सत्र में टेली कम्युनिकेशन और रिटेल मार्केटिंग एंड आईटी के विषयों के पाठ्यक्रम पढ़ाए जाएंगे. यूजीसी के निर्देश के अनुसार पाठ्यक्रम में पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को उद्योगों में शत प्रतिशत रोजगार उपलब्ध होगा. डॉ. सी. वी. रमन् विश्वविद्यालय में आज कुलसचिव शैलेश पाण्डेय की अध्यक्षता में प्रबंधन और शैक्षणिक विभागों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई. जिसमें नए शिक्षा सत्र में पढ़ाई और अन्य गतिविधियों के विषय में चर्चा की गई. बैठक में [illegible] के बारे में जानकारी [illegible] कुलसचिव शैलेश पाण्डेय [illegible] कि विश्वविद्यालय में इसे [illegible] और [illegible] यानी कि व्यावसायिक स्नातक का [illegible] शुरू करने का फैसला लिया गया है. जिसमें व्यवसायिक स्नातक, स्नातकोत्तर और रिसर्च तक की पढ़ाई होगी. तीन वर्षीय पाठ्यक्रम में पहले वर्ष विस्तार डिप्लोमा, दूसरे वर्ष उन्नत डिप्लोमा और बी. वोक की डिग्री विद्यार्थियों को दी जाएगी. नए सत्र में इस वर्ष से विश्वविद्यालय में टेली कम्युनिकेशन और रिटेल मार्केटिंग एंड आई इन दो विषयों के पाठ्यक्रम शुरू किया जा रहा है, जिसमें स्कूली शिक्षा उतीर्ण करके आए विद्यार्थी सीधे प्रवेश ले सकेंगे. श्री पाण्डेय ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने पत्र जारी कर विश्वविद्यालय से कहा था कि कि डॉ. सी. वी. रमन् विश्वविद्यालय में वोकेशनल कोर्स के विद्यार्थियों को प्रवेश देने के लिए प्राथमिकता दी जाए.

भारत सरकार की राष्ट्रीय कौशल अर्हता संरचना (एनएसक्यूएफ) योजना के तहत राष्ट्रीय व्यावसायिक शैक्षिक अर्हता संरचना (एनवीईक्यूएफ) द्वारा व्यवसायिक शिक्षा के लिए काम कर रहा है. इसके लिए देशभर के शिक्षाविदों के सलाह के बाद 1 से 10 स्तर तक का प्रमाण पत्र तैयार किया गया है. सरकार की इस योजना के अनुसार 1 से लेकर 4 स्तर तक के प्रमाण पत्र वे है, जो स्कूली विद्यार्थियों के लिए तैयार किए गए हैं. इसमें वर्ष 2012 में एनवीईक्यूएफ के अनुकरण में स्कूल बोर्ड द्वारा व्यावसायिक पाठ्यक्रम प्रस्तावित किए गए और यह पाठ्यक्रम स्कूलों में संचालित किए जा रहे हैं. ऐसे पाठ्यक्रम में पढ़कर उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों को 2014 तक प्रमाण पत्र जारी होने शुरू हो जाएंगे. इसलिए आयोग ने सीवीआरयू में वोकेशनल कोर्स को प्राथमिकता देने के लिए अनुरोध किया था. इसी क्रम में अब इसी शिक्षा सत्र से बी.वोक की पढ़ाई शुरू की जा रही है.

रिकोगनिशन ऑफ प्रियोर लर्निंग भी- यह वास्तव में विद्यार्थियों के लिए सुनहरा अवसर है, कि वे बी.वोक की पढ़ाई करने का अवसर मिल रहा है. 12वीं की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों के साथ-साथ उन लोगों को भी अवसर मिलेगा, जिनके पास हुनर है और प्रमाण पत्र नहीं है. वे वर्षों से दक्षता के साथ कार्य कर रहे हैं, वे भी कोर्स के तहत पढ़ाई करने डिग्री ले सकते है, जिसे रिकोगनिशन ऑफ प्रियोर लर्निंग की पढ़ाई कहा [illegible]

बीई का विकल्प बी वोक-कुलसचिव

कुलसचिव श्री पाण्डेय ने बताया कि बदलते समय के साथ अब इंजीनियरिंग की शिक्षा में बदलाव आया है. समय की मांग के अनुसार अब बी.वोक, इंजीनियरिंग के सशक्त विकल्प के रूप में उभर रहा है. वह दिन दूर नहीं जब बी.वोक इंजीनियरिंग जैसे तकनीकी शिक्षा को पीछे छोड़कर काफी आगे निकल जाएगा. बी वोक कर प्रमाण पत्र धारक लोग इंजीनियर के समकक्ष कार्य करने की स्थिति में होंगे, क्योंकि उनके पास दक्षता यानी की कार्य कुशलता का अनुभव होगा. श्री पाण्डेय ने बताया कि भारत सरकार ने प्रदेश के एक मात्र डॉ.सी.वी.रमन विश्वविद्यालय को प.दीनदयाल कौशल केंद्र स्थापित करने की अनुमति दी है. इसके तहत विश्वविद्यालय ने फाइनेंस, बैंकिंग, आर्गनाइज्ड रिटेल, टेक्सटाइल, आईटी एंड आईटीईएस, एडमिनिस्ट्रेशन, हार्डवेयर एंड नेटवर्किंग, एग्रीकल्चर, आटोमोबाइल, इलेक्ट्रिकल, टूल, सर्विसिंग, कारपेंटिंग, आटोमोबाइल मेकेनिकल सहित अनेक क्षेत्र में युवाओं का कौशल विकास करने का अभियान शुरू किया है

Dr. C.V. Raman University ★ Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.) ★
Registrar

दैनिक नवप्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...
बिलासपुर, सोमवार 10 अगस्त 2015

सीवीआरयू में व्यवसायिक कोर्स के लिए यूजीसी से मिली हरी झंडी

बिलासपुर (नवप्रदेश)। भारत सरकार और यूजीसी के निर्देश पर डाक्टर सीवी रमन विश्वविद्यालय में कौशल विकास पर आधारित उच्च शिक्षा का पाठ्यक्रम शुरू किया जा रहा है। बेचलर और वोकेशनल कोर्स यानी कि व्यवसायिक स्नातक। बीव्होक पाठ्यक्रम में स्नातक, स्नातकोत्तर और रिसर्च तक की पढ़ाई होगी। इस तीन वर्षीय पाठ्यक्रम में पहले वर्ष विस्तार डिप्लोमा, दूसरे वर्ष उन्नत डिप्लोमा और बीवोक का डिग्री दी जाएगी। विवि में इस शिक्षा सत्र में टेली कम्युनिकेशन और रिटेल मार्केटिंग एंड आईटी दो विषयों के पाठ्यक्रम पढ़ाए जाएंगे। यूजीसी के निर्देश के अनुसार पाठ्यक्रम में पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को उद्योगों में शत-प्रतिशत रोजगार उपलब्ध होगा। सीवीआरयू में आज कुलसचिव शैलेष पाण्डेय की अध्यक्षता में प्रबंधन और शैक्षणिक विभागों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। जिसमें नए शिक्षा सत्र में पढ़ाई और अन्य गतिविधियों के विषय में चर्चा की गई।

बैठक में लिए गए निर्णय के बारे में जानकारी देते हुए कुलसचिव शैलेष पाण्डेय ने बताया कि विवि में इसी सत्र से बेचलर और वोकेशनल यानी कि व्यवसायिक स्नातक का पाठ्यक्रम शुरू करने का फैसला लिया गया है। जिसमें व्यवसायिक स्नातक, स्नातकोत्तर और रिसर्च तक की पढ़ाई होगी। तीन वर्षीय पाठ्यक्रम में पहले वर्ष विस्तार डिप्लोमा, दूसरे वर्ष उन्नत डिप्लोमा और बीवोक की डिग्री विद्यार्थियों को दी जाएगी। नए सत्र में इस वर्ष से सीवीआरयू में टेली कम्युनिकेशन और रिटेल मार्केटिंग एंड आई इन दो विषयों के पाठ्यक्रम शुरू किया जा रहा है, जिसमें स्कूली शिक्षा उत्तीर्ण करके आए विद्यार्थी सीधे प्रवेश ले सकेंगे।

श्री पाण्डेय ने बताया कि विवि अनुदान आयोग ने पत्र जारी कर कहा था कि कि डाक्टर सीवी रमन विवि में वोकेशनल कोर्स के विद्यार्थियों को प्रवेश देने के लिए प्राथमिकता दी जाए। भारत सरकार की राष्ट्रीय कौशल अर्हता संरचना एनएसक्यूएफ योजना के तहत राष्ट्रीय व्यावसायिक शैक्षिक अर्हता संरचना एनवीईक्यूएफ द्वारा व्यवसायिक शिक्षा के लिए काम कर रहा है। इसके लिए देशभर के शिक्षाविदों के सलाह के बाद 1 से 10 स्तर तक का प्रमाण पत्र तैयार किया गया है। सरकार की इस योजना के अनुसार 1 से लेकर 4 स्तर तक के प्रमाण पत्र वे है जो स्कूली विद्यार्थियों के लिए तैयार किए गए हैं। इसमें वर्ष 2012 में एनवीईक्यूएफ के अनुकरण में स्कूल बोर्ड द्वारा व्यावसायिक पाठ्यक्रम प्रस्तावित किए गए और यह पाठ्यक्रम स्कूलों में संचालित किए जा रहे है। ऐसे पाठ्यक्रम में पढ़कर उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों को 2014 तक प्रमाण पत्र जारी होने शुरू हो जाएंगे। इसलिए आयोग ने सीवीआरयू में वोकेशनल कोर्स को प्राथमिकता देने के लिए अनुरोध किया था। इसी क्रम में अब इसी शिक्षा सत्र से बीवोक की पढ़ाई शुरू की जा रही है।

रिकोगनिशन आफ प्रियोर लर्निंग भी

"यह वास्तव में विद्यार्थियों के लिए सुनहरा अवसर हैए कि उन्हे बीवोक की पढ़ाई करने का अवसर मिल रहा है। 12वीं की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों के साथ-साथ उन लोगों को भी अवसर मिलेगा। जिनके पास हुनर है और प्रमाण पत्र नही है। वे वर्षो से दक्षता के साथ कार्य कर रहे हैं। वे भी कोर्स के तहत पढ़ाई करने डिग्री ले सकते है। जिसे रिकोगनिशन ऑफप्रियोर लर्निंग की पढ़ाई कहा जाता है। इसका प्रमुख कारण यह है कि आज बाजार में ऐसे लोगों की जरूरत है जो दक्ष हों। इनमें दो बातें महत्वपूर्ण हैं जिसमें इस डिग्री को विद्यार्थियों की सुविधा और जरूरत के अनुसार 1-2 और 3 साल में विभक्त किया गया है। 3 साल की पढ़ाई पूरी करने वीव्होक की डिग्री दी जाएगी। इस दौरान दक्षता के ट्रेनिंग कराई जाती है।"

Dr. C.V. Raman University ★ Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.) ★
Registrar

हरिभूमि

बिलासपुर, शनिवार, 22 अगस्त 2015

सीवीआरयू को एमवोक की मान्यता

दीनदयाल कौशल केंद्र में रिसर्च के अवसर, यूजीसी का आया पत्र

हरिभूमि न्यूज. बिलासपुर

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने डा. सीवी रामन विश्वविद्यालय को बीवोक के साथ एमवोक की मान्यता भी दे दी है। अब विश्वविद्यालय में स्थापित दीनदयाल कौशल केंद्र में बीवोक इन टेली कम्यूनिकेशन, बीवोक इन रिटेल मैनेजमेंट इन आईटी और बीवोक इन मैन्यूफेक्चरिंग की पढ़ाई होगी। इसके साथ ही इन्हीं तीन विषयों में एमवोक की पढ़ाई भी कराई जाएगी। इन विषयों से संबंधित शोधकार्य को भी जोड़े जाने की अनुमति भी दे दी गई है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव शैलेष पाण्डेय ने बताया कि केंद्र सरकार की मंशा के अनुसार मानव संसाधन मंत्रालय और यूजीसी ने सेंटर फार नालेज एक्यूविजिशन एंड अपग्रेटेशन और स्कीड हयूमन एबिलिटिस एंड लाइवली वुड स्थापित करने के लिए प्रस्ताव मांगे थे।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने छत्तीसगढ़ के सिर्फ डा. सीवी रामन विश्वविद्यालय को सेंटर फॉर नॉलेज एक्यूविजिशन एंड अपग्रेटेशन और स्कीड ह्यूमन एबिलिटिस एंड लाइवली वुड स्थापित करने की अनुमति दी है। इसके माध्यम से मेन पावर तैयार किया जाना है। इन सेंटरों के माध्यम से डिप्लोमा, एडवांस डिप्लोमा, बैचलर ऑफ वोकेशनल एजुकेशन, मास्टर व रिसर्च स्तर तक शिक्षा का प्रावधान किया गया है। कौशल केंद्र स्थापित करने की अनुमति मिलने के बाद विश्वविद्यालय में तैयारी की जा रही थी। इस दौरान यूजीसी ने विश्वविद्यालय को बैचलर कोर्स के साथ मास्टर कोर्स पढ़ाने के अनुमति दी है। साथ ही इन कोर्स को शोधकार्य से जोड़ा जाएगा इस आशय का पत्र भी यूजीसी से आया है। श्री पाण्डेय ने बताया कि बीवोक में तीन विषयों में स्नातक की पढ़ाई होगी इसमें इन टेली कम्यूनिकेशन, बीवोक इन रिटेल मेनेजमेंट इन आईटी और बीवोक इन मैन्युफेक्चरिंग शामिल है। इसी तरह स्नातकोत्तर कोर्स भी इसमें बीवोक इन टेली कम्यूनिकेशन, बीवोक इन रिटेल मेनेजमेंट इन आईटी और बीवोक इन मैन्यूफेक्चरिंग विषय पढ़ाए जाएंगे।

श्री पाण्डेय ने बताया कि 12वीं योजना के तहत देश भर में 100 दीनदयाल कौशल केंद्र स्थापित किया जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसकी प्रक्रिया में यूजीसी ने प्रस्ताव मंगाया गया था, जिसमें देश भर के 708 विश्वविद्यालय व कॉलेजों ने प्रस्ताव दिया था।

उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप: डा. दुबे

विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति डा. आरपी दुबे ने बताया कि टेली कम्यूनिकेशन, बीवोक इन रिटेल मेनेजमेंट इन आईटी और बीवोक इन मैन्यूफेक्चरिंग ऐसे सेक्टर हैं, जिनके माध्यम से उद्योगों के जरूरत के अनुसार दक्ष युवा कार्य सीखकर निकलेंगे। इसमें मुख्य रूप से मैन्यूफेक्चरिंग में वेल्डिंग, सीएमसी, शीट मेटल वर्क, ड्राफ्टिंग कार्य के लिए स्नातक स्तर पर कुशल मैनपावर की डिमांड पूरी हो जाएगी। इसी तरह टेली कम्यूनिकेशन फाइबर आप्टिकल केबल टेक्नीशियन, नेटवर्क इंजीनियर, ब्रांड बेड इंस्टालर, पावर सिस्टम इंजीनियरिंग में रोजगार मिल सकेगा। इसी तरह रिटेल मैनेजमेंट के क्षेत्र में बिलिंग एक्जिक्यूटिव, रिटेल सेल्स एक्जिक्यूटिव, स्टोर सुपरवाइजर, मॉल मैनेजर और ब्रांड मैनेजर सहित कई क्षेत्र में काम के अवसर विद्यार्थियों को मिलेंगे। इस केंद्र के माध्यम से सरकारी क्षेत्र व औद्योगिक संगठन के साथ लेबर मार्केट इनफार्मेशन के लिए काम करेंगे।

बड़े उद्योगों में जाने का रास्ता खुला: पाण्डेय

श्री [illegible] का कहना है कि छत्तीसगढ़ औद्योगिक हब के रूप में देश के नक्शे में उभर रहा है। [illegible] सीवीआरयू को बीवोक और एमवोक की मान्यता दी गई है। इससे उद्योग [illegible] और प्रदेश का सपना साकार होगा। कोर्स के बाद यहां के विद्यार्थी, टाटा, [illegible] के बड़े उद्योगों में जा सकेंगे। यह अवसर भी [illegible] एक अवसर है, जिससे उन्हें अच्छा प्लेटफार्म मिल रहा है। श्री पाण्डेय [illegible] के रिसर्च को शामिल कर सकेंगे। जिससे नए [illegible] लाभ मिल सकेगा। पाण्डेय ने बताया कि सरकार की निर्देश पर इन [illegible] के रूप में स्थापित किया जाएगा। स्कील एजुकेशन एंड डेवलपमेंट इंटरप्रेनरशिप [illegible] रखा गया है। इस केंद्र से प्रदेश के हर युवा वर्ग को लाभ होगा। [illegible] समाज के सामने रखेंगे।

Dr. C.V. Raman University ★ Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)
Registrar

भारत का सबसे बड़ा समाचार पत्र समूह

दैनिक भास्कर

बिलासपुर, [illegible]

बीवॉक के साथ एमवॉक की मान्यता

सीवीआरयू में यूजीसी का आया पत्र, दीनदयाल कौशल केंद्र में रिसर्च के अवसर

बिलासपुर | विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने डॉ. सीवी रामन् यूनिवर्सिटी को बीवॉक के साथ एमवॉक की मान्यता दी है। अब यूनिवर्सिटी में स्थापित दीनदयाल कौशल केंद्र में बीवॉक इन टेली कम्युनिकेशन, बीवॉक इन रिटेल मैनेजमेंट इन आईटी और बीवॉक इन मैन्युफेक्चरिंग की पढ़ाई होगी। इन्हीं तीन विषयों में एमवॉक की पढ़ाई भी कराई जाएगी। साथ ही इनसे रिसर्च को भी जोड़ने की अनुमति दी गई है।

शैलेष पांडेय

कुलसचिव शैलेष पाण्डेय ने बताया कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय और यूजीसी ने सेंटर फॉर नॉलेज एक्यूजिशन एंड अप्रिसिएशन और स्कील्ड ह्यूमन एबिलिटीज एंड लाइवली वुड स्थापित करने के लिए प्रस्ताव मंगाए थे। यूजीसी ने छत्तीसगढ़ में सिर्फ एक डॉ. सीवी रामन् यूनिवर्सिटी को इसकी अनुमति दी है। इन सेंटरों के माध्यम से डिप्लोमा, एडवांस डिप्लोमा, बैचलर ऑफ वोकेशनल एजुकेशन, मास्टर व रिसर्च स्तर तक शिक्षा का प्रावधान किया गया है। कौशल केंद्र स्थापित करने की अनुमति मिलने के बाद यूनिवर्सिटी में तैयारी की जा रही थी। इस दौरान यूजीसी ने यूनिवर्सिटी को बैचलर कोर्स के साथ मास्टर कोर्स पढ़ाने के अनुमति दी है। 12वीं योजना के तहत देशभर में

उद्योगों की जरूरत के अनुरूपः डॉ. दुबे

प्रभारी कुलपति डॉ. आरपी दुबे ने बताया कि टेली कम्युनिकेशन, बीवॉक इन रिटेल मैनेजमेंट इन आईटी और बीवॉक इन मैन्युफेक्चरिंग ऐसे सेक्टर हैं, जिनके माध्यम से उद्योगों की जरूरत के अनुसार दक्ष युवा काम सीखकर निकलेंगे। इसमें मुख्य रूप से मैन्युफेक्चरिंग में वेल्डिंग, सीएमसी, शीट मेटल वर्क, डुपिटंग आदि कार्य के लिए स्नातक स्तर पर कुशल मैनपावर की डिमांड पूरी हो जाएगी। टेली कम्युनिकेशन फाइबर आप्टिकल केबल टेक्नीशियन, नेटवर्क इंजीनियर, ब्रांड बैंड इस्टालर, पावर सिस्टम इंजीनियरिंग में रोजगार मिल सकेगा। रिटेल मैनेजमेंट के क्षेत्र में बिलिंग एक्जीक्यूटिव, रिटेल सेल्स एक्जीक्यूटिव, स्टोर सुपर वाइजर, मॉल मेनेजर और ब्रांड मैनेजर सहित कई क्षेत्र में अवसर विद्यार्थियों को मिलेंगे।

[illegible] छत्तीसगढ़ औद्योगिक हब के रूप में देश के नक्शे में उभर रहा है। इसे देखते हुए ही सीवीआरयू को बीवॉक और एमवॉक की मान्यता दी गई है। इससे उद्योग जगत को लाभ मिलेगा और प्रदेश का सपना साकार होगा। खास बात यह भी है कि हम इन विषयों के रिसर्च को शामिल कर सकेंगे। जिससे नए बड़े शोध सामने आएंगे।

Dr. C.V. Raman University ★ Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.) ★ Registrar

नईदुनिया
बिलासपुर, रायपुर, इंदौर, भोपाल (नईदुनिया), जबलपुर, ग्वालियर और दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय संस्करण) से एकसाथ प्रकाशित
बिलासपुर, शनिवार, 22 अगस्त 2015

सीवीआरयू में यूजीसी का आया पत्र, दीनदयाल कौशल केंद्र में रिसर्च के अवसर

बी वोक के साथ एम वोक की मान्यता

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने डॉ. सीवी रामन् विश्वविद्यालय को बी वोक के साथ एम वोक की मान्यता प्रदान की है। अब विश्वविद्यालय में स्थापित दीनदयान कौशल केंद्र में बी वोक इन टेली कम्युनिकेशन, बी वोक इन रिटेल मेनेजमेंट इन आईटी और बी वोक इन मैन्युफैक्चरिंग की पढ़ाई होगी साथ ही इन्हीं तीन विषयों में एम वोक की पढ़ाई भी कराई जाएगी। इन विषयों से संबंधित शोधकार्य को भी जोड़ने की अनुमति दी गई है।

बिलासपुर। विश्वविद्यालय के कुलसचिव शैलेष पाण्डेय ने बताया कि केंद्र सरकार की मंशा के अनुसार मानव संसाधन मंत्रालय और यूजीसी ने सेंटर फॉर नॉलेज एक्यूजिशन एंड अप्लोटेशन और स्कील्ड ह्यूमन एबिलिटिस एंड लाइवली वुड स्थापित करने के लिए प्रस्ताव मांगे थे। इसके माध्यम से मेन पावर तैयार किया जाना है। इन सेंटरों के माध्यम से डिप्लोमा, एडवांस डिप्लोमा, बैचलर ऑफ वोकेशनल एजुकेशन, मास्टर व रिसर्च स्तर तक शिक्षा का प्रावधान किया गया है। कौशल केंद्र स्थापित करने की अनुमति मिलने के बाद विश्वविद्यालय में तैयारी की जा रही थी।

इस दौरान यूजीसी ने विश्वविद्यालय को बैचलर कोर्स के साथ मास्टर कोर्स प्रारंभ करने की अनुमति दी है। साथ ही इन कोर्स को शोधकार्य से जोड़ा जाएगा। इस आशय का पत्र भी यूजीसी से आया है। इसी तरह स्नातकोत्तर कोर्स भी इसमें बी वोक इन टेली कम्युनिकेशन, बी वोक इन रिटेल मेनेजमेंट इन आईटी और बीवोक इन मैन्युफैक्चरिंग विषय पढ़ाए जाएंगे। श्री पाण्डेय ने बताया कि 12वीं योजना के तहत देश भर में 100 दीनदयाल कौशल केंद्र स्थापित किया जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसकी प्रक्रिया में यूजीसी ने प्रस्ताव मंगाया गया था, जिसमें देश भर के 708 विश्वविद्यालय व कॉलेजों ने प्रस्ताव दिया था।

उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप दक्ष होंगे युवा

विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति डॉ.आरपी दुबे ने बताया कि टेली कम्युनिकेशन, बी वोक इन रिटेल मेनेजमेंट इन आईटी और बी वोक इन मैन्युफैक्चरिंग ऐसे सेक्टर हैं, जिनके माध्यम से उद्योगों के जरूरत के अनुसार दक्ष युवा कार्य सीखकर निकलेंगे। इसमें मुख्य रूप से मैन्युफेक्चरिंग में वेल्डिंग, सीएमसी, शीट मेटल वर्क, ड्राफ्टिंग आदि कार्य के लिए स्नातक स्तर पर कुशल मैनपावर की डिमांड पूरी हो जाएगी। इसी तरह टेली कम्युनिकेशन फाईबर आप्टिकल केबल टेकनीशियन, नेटवर्क इंजीनियर, ब्रांड बैंड इस्टालर, पावर सिस्टम इंजीनियरिंग में रोजगार मिल सकेगा। इस केंद्र के माध्यम से सरकारी क्षेत्र व औद्योगिक संगठन के साथ लेबर मार्केट इनफमेंशन के लिए काम करेंगे।

बड़े उद्योगों में जाने का रास्ता खुला

श्री पाण्डेय का कहना है कि छत्तीसगढ़ औद्योगिक हब के रूप में देश के नक्शे में उभर रहा है।

इस बात को देखते हुए ही सीवीआरयू को बी वोक और एम वोक की मान्यता दी गई है। उद्योग जगत को लाभ मिलेगा और प्रदेश का सपना साकार होगा। यह अवसर भी प्रदेश के विद्यार्थियों के लिए बड़ा अवसर है, जिससे उन्हें अच्छा प्लेटफार्म मिल रहा है। श्री पाण्डेय ने बताया कि खासबात यह भी है कि हम इन विषयों के रिसर्च को शामिल कर सकेंगे। जिससे नए बड़े शोध सामने आएंगे और देश व समाज को इसका लाभ मिल सकेगा।

Registrar
Dr. C.V. Raman University ★ Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.) ★

पत्रिका

बिलासपुर, शनिवार, 22 अगस्त 2015

सीवीआरयू को बी. वोक के साथ एम.वोक की मान्यता

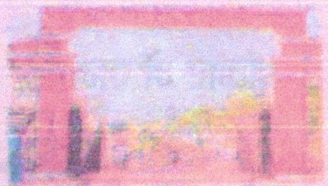

- सीवीआरयू में यूजीसी. का आया पत्र
- दीनदयाल कौशल केंद्र में रिसर्च के अवसर

बिलासपुर @ पत्रिका

patrika.com/city

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने डॉ.सीवी.रामन् विश्वविद्यालय को बी.वोक.के साथ एम.वोक की मान्यता प्रदान की है। अब विश्वविद्यालय में स्थापित दीनदयाल कौशल केंद्र में बी वोक इन टेली कम्युनिकेशन, बी.वोक इन रिटेल मैनेजमेंट इन आइटी और बी.वोक इन मैन्युफैक्चरिंग की पढ़ाई होगी साथ ही इन्हीं तीन विषयों में एम.वोक की पढ़ाई भी कराई जाएगी। इन विषयों से संबंधित शोधकार्य को भी जोड़े जाने की अनुमति दी गई है।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव शैलेष पाण्डेय ने बताया कि केंद्र सरकार की मंशा के अनुसार मानव संसाधन मंत्रालय और यूजीसी ने सेंटर फार नॉलेज एक्यूजिशन एंड अपग्रेडेशन और स्कील ह्यूमन कैपेबिलिटीज एंड लाइवलीहुड स्थापित करने के लिए प्रस्ताव मांगे थे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने छत्तीसगढ़ के डॉ. सीवी रामन् विश्वविद्यालय को सेंटर फॉर नॉलेज एक्यूजिशन एंड अपग्रेडेशन और स्कील ह्यूमन कैपेबिलिटीज एंड लाइवलीहुड [illegible]

बड़े उद्योगों में जाने का रास्ता खुला- कुलसचिव

शैलेष पाण्डेय।

कुलसचिव शैलेष पाण्डेय का कहना है कि छत्तीसगढ़ औद्योगिक हब के रूप में देश के नक्शे में उभर रहा है। इस बात को देखते हुए ही सीवीआरयू को बी.वोक और एम वोक की मान्यता दी गई है। इससे उद्योग जगत को लाभ मिलेगा और प्रदेश का सपना साकार होगा। कोर्स के बाद यहां के विद्यार्थी टाटा, महेंद्रा, सुजुकी, होंडा और देश के मैकेनिकल क्षेत्र के बड़े उद्योगों में जा सकेंगे। पाण्डेय ने बताया कि खास बात यह भी है कि हम इन विषयों के रिसर्च को शामिल कर सकेंगे। सरकार के निर्देश पर इन केंद्र के माध्यम से स्किल डेवलपमेंट को एक्सीलेंस के रूप में स्थापित किया जाएगा।

उद्योगों की जरूरत के अनुरूप- डॉ दुबे

विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति डॉ.आर.पी.दुबे ने बताया कि टेली कम्युनिकेशन, बी.वोक इन रिटेल मैनेजमेंट इन आईटी और बी.वोक इन मैन्युफैक्चरिंग ऐसे सेक्टर हैं, जिनके माध्यम से उद्योगों की जरूरत के अनुसार दक्ष युवा कार्य सीखकर निकलेंगे। इसमें मुख्य रूप से मैन्युफैक्चरिंग में वेल्डिंग, सीएनसी, शीट मेटल वर्क, ड्राफ्टिंग आदि कार्य के लिए स्नातक स्तर पर कुशल मैनपावर की डिमांड पूरी हो जाएगी। इसी तरह टेली कम्युनिकेशन फाइबर ऑप्टिकल केबल टेक्नीशियन, नेटवर्क इंजीनियर, ब्राडबैंड इंस्टालर, पावर सिस्टम इंजीनियरिंग में रोजगार मिल सकेगा।

पावर तैयार किया जाना है। इन सेंटरों के माध्यम से डिप्लोमा, एडवांस डिप्लोमा, बैचलर ऑफ वोकेशनल एजुकेशन, मास्टर व रिसर्च स्तर तक शिक्षा का प्रावधान किया गया है। कौशल केंद्र स्थापित करने की अनुमति मिलने के बाद विश्वविद्यालय में तैयारी की जा रही थी। इस दौरान यूजीसी ने विश्वविद्यालय को बैचलर कोर्स के साथ मास्टर कोर्स पढ़ाने के अनुमति दी है। साथ ही इन कोर्स को शोधकार्य से जोड़ा जाएगा इस आशय का पत्र भी यूजीसी आया है। पाण्डेय ने बताया कि बी.वोक में तीन विषयों में स्नातक की पढ़ाई होगी इसमें इन टेली कम्युनिकेशन, बी.वोक इन रिटेल मैनेजमेंट इन आईटी और बी.वोक इन मैन्युफैक्चरिंग शामिल है। [illegible] स्नातकोत्तर कोर्स भी इसमें बी.वोक इन टेली कम्युनिकेशन, बी.वोक इन रिटेल मेनेजमेंट इन आईटी और बी.वोक इन मैन्युफैक्चरिंग विषय पढ़ाए जाएंगे। पाण्डेय ने बताया कि 12वीं योजना के तहत देश भर में 100 दीनदयाल कौशल केंद्र स्थापित किया जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसकी प्रक्रिया में यूजीसी ने प्रस्ताव मंगाया गया था। इसमें देश भर के 708 विश्वविद्यालय व कॉलेजों ने प्रस्ताव दिया था। हर प्रदेश व विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है कि प्रदेश में एक डॉ.सी.वी.रामन् विश्वविद्यालय को चयन किया गया। पाण्डेय ने कहा कि हम सरकार व यूजीसी की [illegible]

Dr. C.V. Raman University
Registrar
Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

नवभारत

बिलासपुर, शनिवार, 22 अगस्त 2015

रमन विवि में बी वोक के साथ एम वोक भी

यूजीसी का आया पात्र, दीनदयाल कौशल केन्द्र में रिसर्च के अवसर

बिलासपुर. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने डॉ.सी.वी.रमन् विश्वविद्यालय को बी. वोक के साथ एम. वोक की मान्यता प्रदान की है. अब विश्वविद्यालय में स्थापित दीनदयाल कौशल केंद्र में बी वोक इन टेली कम्युनिकेशन, बी. वोक इन रिटेल मैनेजमेंट इन आईटी और बी. वोक इन मैन्युफेक्चरिंग पढ़ाई होगी साथ ही इन्हीं तीन विषयों में एम. वोक की पढ़ाई भी कराई जाएगी. इसके साथ इन विषयों से संबंधित शोधकार्य को भी जोड़े जाने की अनुमति दी गई है.

इस संबंध में जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव शैलेष पाण्डेय ने बताया कि केंद्र सरकार की मंशा के अनुसार मानव संसाधन मंत्रालय और यूजीसी ने सेंटर फॉर नॉलेज एक्यूविजिशन एंड अपग्रेडेशन और स्कीड ह्यूमन एबिलिटिस एंड लाइवली हुड स्थापित करने के लिए प्रस्ताव मांगे थे. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने छत्तीसगढ़ के सिर्फ एक डॉ.सी. वी. रमन विश्वविद्यालय को सेंटर फॉर नॉलेज एक्यूविजिशन एंड अपग्रेडेशन एंड स्कीड ह्यूमन एबिलिटिस एंड लाइवली हुड स्थापित करने की अनुमति दी है. इसके माध्यम से मेन पावर तैयार किया जाना है. इन सेंटरों के माध्यम से डिप्लोमा, एडवांस डिप्लोमा, बैचलर ऑफ वोकेशनल एजुकेशन, मास्टर व रिसर्च स्तर तक शिक्षा का प्रावधान किया गया है. कौशल केंद्र स्थापित करने की अनुमति मिलने के बाद विश्वविद्यालय में तैयारी की जा रही थी. इस दौरान यूजीसी ने विश्वविद्यालय को बैचलर कोर्स के साथ मास्टर कोर्स पढ़ाने के अनुमति दी है. साथ ही इन कोर्स को शोधकार्य से जोड़ा जाएगा इस आशय का पत्र भी यूजीसी आया है. श्री पाण्डेय ने बताया कि बी.वोक में तीन विशयों में स्नातक की पढ़ाई होगी इसमें इन टेली कम्युनिकेशन, बी.वोक इन रिटेल मेनेजमेंट इन आईटी और बी. वोक इन मैन्युफैक्चरिंग शामिल है. इसी तरह स्नातकोत्तर कोर्स भी इसमें बी. वोक इन टेली कम्युनिकेशन, बी. वोक इन रिटेल मैनेजमेंट इन आईटी और बी. वोक इन मैन्युफैक्चरिंग विषय पढ़ाए जाएंगे. श्री पाण्डेय ने बताया कि 12वीं योजना के तहत देश भर में 100 दीनदयाल कौशल केंद्र स्थापित किया जाने का लक्ष्य रखा गया है. इसकी प्रक्रिया में यूजीसी ने प्रस्ताव मंगाया गया था, जिसमें देश भर के 708 विश्वविद्यालय व कॉलेजों ने प्रस्ताव दिया था. हर प्रदेश व विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है कि प्रदेश में एक डॉ.सी.वी. रामन् विश्वविद्यालय को चयन किया गया. श्री पाण्डेय ने कहा कि हम सरकार व यूजीसी की कल्पना को साकार रूप देंगे और युवाओं के लिए बेहतर से बेहतर काम करेंगे.

उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप-डॉ. दुबे

विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति डॉ.आर.पी. दुबे ने बताया कि टेली कम्युनिकेशन, बी. वोक इन रिटेल मैनेजमेंट इन आईटी और बी.वोक इन मैन्युफेक्चरिंग ऐसे सेक्टर हैं, जिनके माध्यम से उद्योगों के जरूरत के अनुसार दक्ष युवा कार्य सीखकर निकलेंगे. इसमें मुख्य रूप से मैन्युफेक्चरिंग में वेल्डिंग, सीएनसी, शीट मेटल वर्क, ड्राफ्टिंग आदि कार्य के लिए स्नातक स्तर पर कुशल मैनपावर की डिमांड पूरी हो जाएगी. इसी तरह टेली कम्युनिकेशन फाइबर ऑप्टिकल केबल टेक्नीशियन, नेटवर्क इंजीनियर, ब्राड बेंड इंस्टालर, पावर सिस्टम इंजीनियरिंग में रोजगार मिल सकेगा. इसी तरह रिटेल मैनेजमेंट के क्षेत्र में बिलिंग एक्जिक्यूटिव, रिटेल सेल्स एक्जिक्यूटिव, स्टोर सुपर वाइजर, मॉल मैनेजर और ब्रांड मैनेजर सहित कई क्षेत्र में काम के अवसर विद्यार्थियों को मिलेंगे. इस केंद्र के माध्यम से सरकारी क्षेत्र व औद्योगिक संगठन के साथ लेबर मार्केट इनफार्मेशन के लिए काम करेंगे.

बड़े उद्योगों में जाने का रास्ता खुला-कुलसचिव

श्री पाण्डेय का कहना है कि छत्तीसगढ़ औद्योगिक हब के रूप में देश के नक्शे में उभर रहा है. इस बात को देखते हुए ही सीवीआरयू को बी.वोक और एम वोक की मान्यता दी गई है. इससे उद्योग जगत को लाभ मिलेगा और प्रदेश का सपना साकार होगा. कोर्स के बाद यहां के विद्यार्थी, टाटा, महिंद्रा, सुजुकी, होंडा और देश के मेकेनिकल क्षेत्र के बड़े उद्योगों में जा सकेंगे. यह अवसर भी प्रदेश के विद्यार्थियों के लिए बड़ा अवसर है, जिससे उन्हें अच्छा प्लेटफार्म मिल रहा है. श्री पाण्डेय ने बताया कि खास बात यह भी है कि हम इन विषयों के रिसर्च को शामिल कर सकेंगे. जिससे नए बड़े शोध सामने आएंगे और देश व समाज को इसका लाभ मिल सकेगा. पाण्डेय ने बताया कि सरकार के निर्देश पर इस केंद्र के माध्यम से स्कील डेवलपमेंट का एक्सीलेंस के रूप में स्थापित किया जाएगा. स्कील एजुकेशन एंड डेवलपमेंट इंटरप्रेनरशिप में रिसर्च एंड डेवलपमेंट वर्क को भी स्थापित करने का प्रावधान रखा गया है. इस केंद्र से प्रदेश के हर युवा वर्ग को लाभ होगा. वे हर स्तर पर बेहतर काम सीख पाएंगे और अपने आप को एक दक्ष व्यक्ति के रूप में समाज के सामने रखेंगे.

Dr. C.V. Raman University ★ Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.) ★
Registrar

Hitavada

RAIPUR ■ Saturday ■ August 29 ■ 2015

FIRST COLUMN

Dr C V Raman University introduces Master degree in Vocational Course

■ Our Correspondent
BILASPUR, Aug 28

AFTER Bachelor of Vocational Course (B.Voc), Dr C V Raman University also introduced Master degree in Vocational Course (M.Voc) from this academic session. The Vocational courses are alternative to Engineering and in the following years this will be on demand. CVRU has established a Pandit Dindayal Skill Center at the varsity campus. With the introduction of the course CVR has started training the youths in three different courses B.Voc and M.Voc including Retail Management, Telecommunications, Manufacturing and Information and Technology.

Shailesh Pandey

Elaborating about this Registrar of CVRU Shailesh Pandey informed that during graduation the university will offer Diploma Course in the first year followed by Advanced Diploma in the second and degree in the third year.

In the current academic session CVRU will impart courses on Tele Communication, Retail Marketing and Information Technology to ensure cent percent placement after completion of the courses. Earlier the Ministry of Human Resources and Development sought information from the University Grant Commission (UGC) to set up Center for Knowledge Acquisition and Up-gradation and Skilled Human Abilities and Livelihood. Following a survey UGC selected CVRU in Chhattisgarh State to establish this set up.

He said that after B.Voc, CVRU also got the sanction for the Master degree and Research in Vocational Course.

He said that the government aims to set up at least 100 Dindayal Skill Development Centers across the nation this year.

Pandey said that about 708 colleges and universities of the country applied for the course but for Chhattisgarh only the CVRU was selected. He said that UGC in a letter addressed to CVRU had asked the university to introduce this course and give admissions to the students on priority basis. He said that the course would be a golden opportunity for the students to learn many courses.

This will also be helpful for those who have the ability but do not have a certificate to prove their talent.

"It is the recognition of prior learning to polish the skills of those talents who are waiting to rule the market. During [illegible] the students would also be given [illegible] and field training of the [illegible]," he added.

Dr. C. V. Raman University, Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)
Registrar

दैनिक भास्कर

गुरुवार, 9 जुलाई, 2015

सीवीआरयू देगा बेरोजगारों को प्रशिक्षण

Dr. C.V. Raman University
Registrar
Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

रत

ाल केंद्र

शेष पृष्ठ 5 पर

उरपदा में बनेगा ...

और इसका विश्वविद्यालय को अनुभव भी है. श्री पाण्डेय ने कहा कि हम सरकार व युवाओं की कल्पना को साकार रूप देंगे और युवाओं के लिए बेहतर से बेहतर काम करेंगे. विश्वविद्यालय के सम-कुलपति ने इस सफलता के लिए विश्वविद्यालय परिवार को शुभकामनाएं दी.

प्रथम चरण में बी. वोक और सभी कोर्स प्लेसमेंट - श्री पाण्डेय ने बताया कि केंद्र स्थापित किए जाने के बाद प्रथम चरण में बी.वोक कोर्स शुरू किया जाएगा. जिसमें महत्वपूर्ण बात यह है कि सरकार ने सभी कोर्स को प्लेसमेंट रखा गया है. इसमें बी.वोक इन टेली कम्युनिकेशन और बी. वोक इन रिटेल मैनेजमेंट इन आईटी की पढ़ाई होगी. कोर्स करने के बाद 100 प्रतिशत प्लेसमेंट दिया जाएगा. श्री पाण्डेय ने बताया किय यह छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए सुनहरा अवसर है कि राज्य प्रदेश का पहला कौशल केंद्र स्थापित किया जा रहा है.

स्कील डेवलपमेंट एक्सीलेंस के रूप में होगा स्थापित - श्री पाण्डेय ने बताया कि भारत सरकार की निर्देश पर इन केंद्र के माध्यम से स्कील डेवलपमेंट को एक्सीलेंस के रूप में स्थापित किया जाएगा. स्कील इन्क्यूबेशन एंड डेवलपमेंट इंटरप्रेन्योरशिप में रिसर्च एंड डेवलपमेंट वर्क को भी स्थापित करने का प्रावधान रखा गया है. इस केंद्र से प्रदेश के हर युवा वर्ग को लाभ होगा. वे हर स्तर पर बेहतर काम सीख पाएंगे और अपने आप को एक नए उद्योग के रूप में समाज के सामने रखेंगे.

उच्च शिक्षा व उद्योगों के बीच प्लेटफार्म-डॉ. दुबे - विश्वविद्यालय के सम-कुलपति डॉ. आर.पी.दुबे ने बताया कि अब तक उच्च शिक्षा व रोजगार अलग-अलग हुआ करते थे. शिक्षा पूरी होने के कई वर्ष बाद भी रोजगार की संभावना दिखाई नहीं पड़ती थी. अब इस दौर में उद्योग और शिक्षा को जोड़कर काम करना होगा. योजना के अनुसार उच्च शिक्षा व उद्योगों के बीच प्लेटफार्म को भी शामिल किया गया है. इस केंद्र के माध्यम से सरकारी क्षेत्र व औद्योगिक संगठन के साथ लेकर मार्केट इनक्यूबेशन के लिए काम करेंगे. इसमें स्थानीय की जिम्मेदारी को ध्यान में रखेंगे और उद्योग भी आधुनिक तकनीकी शिक्षा के अनुसार तैयार हो सकेंगे.

Dr. C.V. Raman University
Registrar
Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

नईदुनिया

www.naidu

बिलासपुर, बुधवार 08 जुलाई 2015

बीयू व सीयू कौशल केंद्र की पहली सूची में शामिल नहीं

बिलासपुर (निप्र)। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र की पहली सूची जारी कर दिया है। इसमें बीयू व सीयू सहित प्रदेश के किसी भी उच्च शिक्षण संस्थान को अनुदान के लिए शामिल नहीं किया गया है। एकमात्र सीवी रमन विश्वविद्यालय को सेल्फ फायनेंस पर दो कोर्स के लिए अनुमति दी गई है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग स्किल डेवलपमेंट को लेकर एक नई योजना की शुरुआत करने जा रहा है। जिसके तहत सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को चुनाव कर वहां पंडित दीनदयाल उपाध्याय कौशल प्रशिक्षण केंद्र खोलने का काम करेगी। इस संबंध में देशभर के सभी कॉलेज व यूनिवर्सिटी से प्रस्ताव मांगा गया था। यहां तक की इसके लिए सभी को प्रजेंटेशन का भी मौका दिया गया था। मंगलवार को यूजीसी द्वारा जारी सूची में प्रदेश के [illegible] संस्थाओं का [illegible] हुई है। सूची में [illegible] संस्थानों का नाम [illegible] अनुदान [illegible] विश्वविद्यालय कोटा बिलासपुर को सेल्फ फायनेंस की सूची में स्थान दिया गया है। जहां अब ग्रीन टेलीकम्युनिकेशन और रिटेल मैनेजमेंट आईटी पर नए कोर्स शुरू होंगे। इसके लिए छात्रों को विशेष प्रशिक्षण मिलेगा। जहां प्रदेश का पहला कौशल प्रशिक्षण केंद्र खुलेगा। सूची में ऐसे 17 यूनिवर्सिटी व कॉलेज शामिल हैं। इसी तरह कुल 643 संस्थाओं के प्रस्ताव को नामंजूर किया गया है। उनमें प्रमुख रूप से गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर विश्वविद्यालय, डॉ. भंवर सिंह पोर्ते शासकीय महाविद्यालय पेंड्रा, कमला नेहरू महाविद्यालय कोरबा, पं. हरिशंकर शुक्ला स्मृति कॉलेज रायपुर, पंडित रविशंकर विश्वविद्यालय रायपुर एवं एपीएसजीएमएनएस गवर्मेंट कॉलेज कवर्धा शामिल है। जानकारी के मुताबिक जिन संस्थाओं का चयन किया गया है उन्हें प्रशिक्षण केंद्र शुरू करने के लिए यूजीसी की ओर से 5 करोड़ रुपए दिए जाएंगे। 2 करोड़ केंद्र के बुनियादी ढांचे के निर्माण, उपकरण एवं इमारत के नवीनीकरण पर खर्च करने होंगे। एक करोड़ रुपए परिचालन की लागत होगी।

Dr. C.V. Raman University ★ Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.) ★ Registrar

अमृत संदेश

बिलासपुर, शुक्रवार 10 जुलाई 2015

सरकार की परिकल्पना साकार करेंगे: पाण्डेय

बिलासपुर, 9 जुलाई (असं)।

देश भर से कुल 708 विवि और कॉलेजों ने यूजीसी के समक्ष प्रस्ताव दिया था जिसमें कुल 65 संस्थानों को दीनदयाल कौशल केंद्र स्थापित करने की अनुमति प्रदान की गई है। इसमें छत्तीसगढ़ में सीवीआरयू में दीनदयाल कौशल केंद्र स्थापित किया जाएगा।

विवि. अनुदान आयोग ने डॉ सीवी रामन् यूनिवर्सिटी को सेंटर फॉर नॉलेज एक्यूजिशन एंड अपग्रेडेशन और स्कील्ड ह्यूमन एबिलिटिस एंड लाइवली वुड स्थापित करने की अनुमति दी है। इसके लिए स्नातक से लेकर रिसर्च तक शिक्षा देने का प्रावधान किया गया है। केंद्र स्थापित करने का उद्देश्य उद्योगों में स्कील्ड मैनपावर देने के लिए शार्ट टर्म कोर्स/पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स और रिसर्च स्पेशलाइजेशन कोर्स कराया जाना है।

दीनदयाल कौशल केन्द्र स्थापित किया जाएगा

इस संबंध में जानकारी देते हुए कुलसचिव शैलेष पाण्डेय ने बताया कि सरकार की मंशा है कि इसके माध्यम से मैनपावर तैयार किया जाए है। इन सेंटरों के माध्यम से डिप्लोमा एडवांस डिप्लोमा बैचलर ऑफ वोकेशनल एजुकेशन मास्टर व रिसर्च स्तर तक शिक्षा का प्रावधान किया गया है। श्री पाण्डेय ने बताया कि 12वीं योजना के तहत देश भर में 100 दीनदयाल कौशल केंद्र स्थापित किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। मानव संसाधन मंत्रालय और यूजीसी के मापदंडों में सीवीआरयू खरा उतरा है।

श्री पाण्डेय ने बताया कि सीवीआरयू पहले ही एनएसडीसी के कौशल विकास कार्यक्रम में काम कर रहा है और इसका अनुभव भी है। श्री पाण्डेय ने कहा कि हम सरकार व यूजीसी की कल्पना को साकार रूप देंगे और युवाओं के लिए बेहतर से बेहतर काम करेंगे।

Dr. C.V. Raman University ★ Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.) ★
Registrar

नवप्रदेश

प्रदेश के साथ पूरा देश

... बुधवार 5 अगस्त 2015

सीवीआरयू में डिग्री के साथ काबिलियत की भी कसौटी-पाण्डेय

बिलासपुर (नवप्रदेश)। आज के समय में विद्यार्थियों के पास डिग्री के साथ काबिलियत होना जरूरी है, यही काबिलियत जीवन के संघर्ष में सफलता दिलाती है। यही कारण है कि डाक्टर सीवी रमन विवि में हर विद्यार्थियों के लिए कौशल विकास का एक कोर्स अनिवार्य किया गया है। भारत सरकार और यूजीसी के निर्देश पर प्रदेश में सिर्फ हमारे विवि में [illegible] कौशल केंद्र की स्थापना की गई है, यहां से पढ़कर [illegible] वाले विद्यार्थियों के [illegible] इंजीनियरिंग की डिग्री के [illegible] काबिलियत की अतिरिक्त योग्यता होगी। विद्यार्थियों को शिक्षा सेल्फमेड बनाती है। उक्त बातें सीवीआरयू में इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों के परिचय सम्मेलन में कुलसचिव शैलेष पाण्डेय ने कहीं। श्री पाण्डेय ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज वह विद्यार्थी सफल नहीं हो सकता है जिसके पास सिर्फ डिग्री हो। देश भर में कुशल लोगों की जरूरत है। इसलिए विवि को सरकार ने यह जिम्मेदारी सौंपी है कि हम सभी कोर्स पढ़ाने के साथ उन विद्यार्थियों को काबिल भी बनाएं ताकि वे रोजगार के लिए जाएं तो डिग्री के साथ वे सीधे काम करने के लिए दक्ष हों। श्री पाण्डेय ने भावी इंजीनियरो को संबोधित करते हुए कहा कि सीवीआरयू में वो सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं जो एक अच्छा इंजीनियरिंग बनाने के लिए जरूरी है। साथ ही देश-दुनिया से जोड़ने के लिए वाईफाई कैंपस और प्रतिभा को निखारने के लिए रेडियो रमन भी स्थापित किया गया है लेकिन सफल होने के लिए विद्यार्थियों को संकल्प लेने की जरूरत है कि वे यहां पूरी ईमानदारी और मेहनत से पढ़ाई करेंगे। पाण्डेय ने बताया कि शिक्षा ही व्यक्ति के व्यक्तित्व को निखारकर उसके जीवन स्तर को तय करती है। अब यहां उपस्थित विद्यार्थियों को तय करना है कि वो व्यक्तित्व को कितना निखारना चाहते हैं और अपने जीवन को किस स्तर तक ले जाना चाहते हैं। इस अवसर पर विवि में एआईयू के समन्वयक और शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डाक्टर पीके नायक ने विद्यार्थियों को बताया कि विवि में रिसर्च तक पढ़ाई की जा सकती है।

स्कील पाठ्यक्रम सबके लिए अनिवार्य

कुलसचिव श्री पाण्डेय ने बताया कि सीवीआरयू के के हर विद्यार्थियों के लिए स्कील पाठ्यक्रम अनिवार्य किया गया है क्योंकि छत्तीसगढ़ राज्य अब अपनी तरूणाई पर है, जिहाजा यहां हर क्षेत्र में काम के अपार अवसर हैं। ऐसे में इस बात पर कोई प्रश्न नहीं होना चाहिए कि यहां इंजीनियरों का भविष्य कैसा होगा। हर ओर विकास की गति तेज है और केंद्र व राज्य सरकार की योजनाएं चलाई जा रही है। सिविलए मैकेनिकल, इलेक्ट्रानिक्स, इलेक्ट्रिकल आईटी के क्षेत्र में अवसर हैं ही।

Registrar
Dr. C.V. Raman University
Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)